

8वें ग्लोबल ताज इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में शिरकत करेंगी बॉलीवुड स्टार ममता कुलकर्णी

20 देशों की फिल्मों की एंट्री, 16 से 18 नवंबर तक आगरा में सजेगा अंतरराष्ट्रीय सिनेमा का महाकुंभ

टीएनएफ टुडे, आगरा।

ताजनगरी आगरा में ग्लैमर लाइव फिल्मस एवं आईटीएचएम, डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में 8वें ग्लोबल ताज इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल का आयोजन 16 से 18 नवंबर 2026 तक विश्वविद्यालय के खंडारी परिसर स्थित जे.पी. सभागार में किया जाएगा। महोत्सव में बॉलीवुड स्टार ममता कुलकर्णी सहित देश-विदेश की कई नामचीन हस्तियां शिरकत करेंगी।

होटल पी.एल. पैलेस में आयोजित प्रेस वार्ता में फेस्टिवल के संस्थापक निदेशक एवं फिल्म लेखक-निर्देशक सूरज तिवारी ने बताया कि इस वर्ष लगभग 20 देशों से फीचर, शॉर्ट, डॉक्यूमेंट्री,

ममता कुलकर्णी को मिलेगा

सरस्वती बाई दादा साहेब फाल्के पुरस्कार, देश-विदेश की फिल्मी हस्तियां होगी शामिल

एनिमेशन, म्यूजिक वीडियो और अकआचारित फिल्मों की एंट्री प्राप्त हुई हैं। अंतरराष्ट्रीय जूरी द्वारा चयनित फिल्मों का प्रदर्शन किया जाएगा।

ममता कुलकर्णी सहित कई फिल्मी हस्तियां रहेंगी आकर्षण

महोत्सव में बॉलीवुड अभिनेत्री ममता कुलकर्णी, अभिनेता ज्ञान प्रकाश, हेमंत पांडे, अभिनेत्री विभा रानी, प्रसिद्ध गीतकार सुधाकर शर्मा, संगीतकार एवं गजल गायक रंजन देबनाथ, फ्रांस से अभिनेत्री मरीन



बोगों (टंशल्ली इड्डरेंडू) तथा मास्को से अभिनेत्री पोलिना (ढड्ड'ल्ल') विशेष रूप से शामिल होंगी।

फेस्टिवल संरक्षक रणजीत सामा ने बताया कि भारतीय सिनेमा में उल्लेखनीय योगदान के लिए ममता कुलकर्णी को ह्यसरस्वती बाई दादा साहेब फाल्के पुरस्कारह् प्रदान किया जाएगा। अन्य फिल्मी हस्तियों

को भी ह्ददादा साहेब फाल्के सम्मानह्द से नवाजा जाएगा। उन्होंने कहा कि महोत्सव में सामाजिक संदेश और मानवीय संवेदनाओं से जुड़ी फिल्मों को प्राथमिकता दी जाती है।

महोत्सव में अभिनेता ज्ञान प्रकाश अभिनय तथा गीतकार सुधाकर शर्मा गीत लेखन की मास्टर क्लास देंगे। रंजन देबनाथ की

वन विभाग के द्वारा मंदिर तोड़े जाने से ग्रामीणों में आक्रोश

फतेहाबाद। थाना निबौहरा क्षेत्र के गांव शाहवेद में चामुंडा देवी की मंदिर का नवनिर्माण कार्य वन विभाग ने रुकवाया मंदिर तोड़ने को लेकर ग्रामीणों में आक्रोश व्याप्त है। बलराम दास महंत निवासी शाहवेद ने बताया कि प्राचीन भोले बाबा के मंदिर के पास चामुंडा देवी के मंदिर का नवनिर्माण कार्य कराया जा रहा था बड़ी मुश्किल से चंदा इकट्ठा किया था और मंदिर का निर्माण कार्य कराया जा रहा था लेकिन वन विभाग के द्वारा मंदिर की दीवारों को तुड़वा दिया गया है। इससे पूर्व ना ही वन विभाग की ओर से हमें कोई सूचना दी नहीं कोई नोटिस दिया। जिसको लेकर ग्रामीणों में भारी आक्रोश व्याप्त है इस दौरान भानु प्रताप ,ओमकार सिंह सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने विरोध जताया। जानकारी पर जिला पंचायत सदस्य अनिल गुर्जर मौके पर पहुंचे और सभी ग्रामीण इक्ठ्ठे होकर थाना निबौहरा पहुंचे और मंदिर तोड़ने वालों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग थी और कहा कि यदि एफआईआर दर्ज नहीं होती है तो ग्रामीण इसके खिलाफ धरना प्रदर्शन करने को मजबूर होंगे।

पापांकुशा एकादशी पर सतरंगी फूलों से सजा खाटू श्याम बाबा का दरबार

अलौकिक शृंगार के दर्शन कर भावविभोर हुए श्रद्धालु, भजनों और जयकारों से गुंजा मंदिर परिसर

टीएनएफ टुडे, आगरा।

पापांकुशा एकादशी के पावन अवसर पर ताजगंज के कटरा जोगीदास स्थित श्री दाऊजी खाटूश्याम मंदिर में श्याम बाबा का सतरंगी फूलों से मनमोहक शृंगार किया गया। रंग-बिरंगे फूलों से सजे बाबा के दरबार की छटा देखते ही बन रही थी। बाबा के अलौकिक स्वरूप के दर्शन कर श्रद्धालु भावविभोर हो उठे।

मंदिर के अध्यक्ष राजू गोयल ने कहा कि खाटू श्याम बाबा के दरबार में सच्चे मन से शीश झुकाने वाले भक्त को विशेष आत्मिक शांति मिलती है। जो व्यक्ति खाटू वाले के दर पर शीश झुकाता है, उसे कहीं और शीश झुकाने की आवश्यकता नहीं पड़ती एकादशी के अवसर पर



मंदिर में सुबह से ही श्रद्धालुओं के पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया। बाबा के मनमोहक शृंगार के दर्शन करने के लिए भक्तों में विशेष उत्साह दिखाई दिया। बाबा के दर्शन कर भक्तों ने शीश नवाया और स्वयं को सौभाग्यशाली मानते हुए उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। मंदिर परिसर श्याम बाबा की जयकारों से गुंज उठा। भजनों की

मधुर धुनों और ह्र्दयज श्री श्यामह्द के जयकारों के बीच श्रद्धालु भक्ति में लीन हो गए। इस अवसर पर संरक्षक कृष्ण मुरारी अग्रवाल, सचिव मयंक अग्रवाल, कोषाध्यक्ष परिवेश अग्रवाल, प्रदीप राठौड़, प्रवीन अग्रवाल, रितेश अग्रवाल, सुरेश मंगल, संध्या, उर्मिला, विजय, नम्रता, शालिनी, नंदनी, रुचिका, जूही आदि मौजूद रहे।

2151 कुंडीय महामृत्युंजय पीतांबर महायज्ञ के निमित्त प्रथम वेद यात्रा का शुभारंभ

आगरा। आगामी दिसंबर माह में आयोजित होने जा रहे 2151 कुंडीय महामृत्युंजय पीतांबर महायज्ञ के प्रचार-प्रसार एवं जनजागरण के उद्देश्य से आज 22 अक्टूबर 2026 को प्रथम वेद यात्रा का शुभारंभ स्पेस ग्रीन, ईंडा हाइट्स के निकट, शास्त्रीपुरम, आगरा से श्रद्धा एवं उत्साह के साथ किया गया।

इस अवसर पर कॉलोनी के कर्मचारी उपस्थित रहे। वेद यात्रा के माध्यम से शहरवासियों को महायज्ञ के आध्यात्मिक महत्व से अवगत कराते हुए अधिक से अधिक संख्या में इस पावन आयोजन से जुड़ने का संदेश दिया गया।

पूज्य यज्ञाधीश श्री रामदास महाराज जी के मार्गदर्शन में आयोजित होने वाले इस महायज्ञ का उद्देश्य धार्मिक



आस्था, आध्यात्मिक चेतना, सामाजिक समरसता एवं जनकल्याण की भावना को प्रोत्साहित करना है। महायज्ञ के प्रचार-प्रसार के लिए आगामी दिनों में भी विभिन्न क्षेत्रों में वेद यात्राओं का आयोजन किया जाएगा।

यात्रा में उत्तर प्रदेश की मंत्री श्रीमति बेबी रानी मौर्य ने आरती की एवं महाराज जी से आशीर्वाद प्राप्त किया ! उन्होंने आयोजक मंडल का

धन्यवाद भी दिया सनातन परंपरा के सशक्त ध्वजवाहक होने हेतु !

कार्यक्रम में मौजूद रहे

यज्ञधीश स्वामी रामदास जी महाराज

कैबिनेट मंत्री उत्तर प्रदेश सरकार श्रीमती बेबी रानी मौर्य

डॉ रजनीश त्यागी प्रदेश प्रवक्ता भाजपा

आचार्य अनूप जी आचार्य सुमित कृष्ण चतुर्वेदी



गृहमंत्री अमित शाह का जन्मदिन धूमधाम से मनाया, बांटी मिठाई आगरा। भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं और नेताओं द्वारा तहसील परिसर बाह में देश के केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह का 62वां जन्मदिन हर्षोल्लास एवं धूमधाम के साथ मनाया गया। इस अवसर पर उपस्थित भाजपाइयों ने एक-दूसरे को मिष्ठान खिलाकर गृहमंत्री के दीर्घायु और उतम स्वास्थ्य की कामना की। कार्यक्रम के दौरान भाजपा कोर कमेटी सदस्य पवन भदौरिया एवं भाजपा नेता नारायण भदौरिया फौजी ने गृहमंत्री अमित शाह के सांगठनिक कौशल और देशहित में लिए गए ऐतिहासिक निर्णयों की सराहना की। उन्होंने कहा कि उनके कुशल नेतृत्व में देश सुरक्षा और विकास के नए आयाम स्थापित कर रहा है।

इस मौके पर प्रमुख रूप से अलकेंद्र जादौन, एडवोकेट केके भदौरिया, भूपेंद्र भदौरिया, विनय राठौड़, पुलकित भदौरिया, अकुश सोलंकी सहित अनेक भाजपा कार्यकर्ता एवं स्थानीय लोग मौजूद रहे।

पत्नी से मारपीट कर गर्भपात कराने का आरोप, पति गिरफ्तार

फतेहाबाद। निबोहरा पुलिस ने पत्नी के साथ जबरदस्ती मारपीट कर गर्भपात करने वाले आरोपी पति को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया। प्रभारी निरीक्षक निबोहरा बृजेश कुमार गौतम ने बताया कि 1 सितंबर को पीड़िता मंजू वर्मा द्वारा थाने में तहरीर देकर बताया था कि 19 अगस्त को उनके पति होतीलाल पुत्र हाकिम सिंह निवासी बिलईपुरा थाना निबोहरा 10 वर्ष बाद अपने घर लाया था। कुछ दिन बाद उसने पत्नी का जबरदस्ती गर्भपात करने की व्हाह से बहुत मारपीट की जिससे पत्नी गंभीर रूप से घायल हो गई इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया वहां उसका गर्भपात भी हो गया। इस संबंध में पीड़िता की तहरीर पर मुकदमा दर्ज किया गया था। बुधवार को मुखबिर की सूचना पर आरोपी होतीलाल को पंचकुड़िया चौराहा आगरा से गिरफ्तार जेल भेज दिया गया है।



शौर्य और अनुशासन का संगम, संघ के पथ संचलन पर बरसे फूल

टीएनएफ टुडे, फतेहाबाद।

विजयादशमी के अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ फतेहाबाद नगर के कार्यकर्ताओं ने गुरुवार को पथ संचलन निकाला। पूर्ण गणवेश में निकले स्वयंसेवकों का कस्बे के लोगों ने जगह-जगह पुष्प वर्षा कर स्वागत किया।

कार्यक्रम की शुरूआत कस्बे के मीरा गार्डन में एकत्रित हुए स्वयंसेवकों से हुई, जहां जिला प्रचारक कुलदीप कुमार ने उनका मार्गदर्शन किया। इसके बाद स्वयंसेवकों ने पूर्ण गणवेश में मीरा गार्डन से रोडवेज बस स्टैंड, अंबेडकर चौक, गांधी चौक से होते मुख्य बाजार होते हुए रतन देवी स्कूल



पर समापन हुआ। मुख्य वक्ता जिला प्रचारक कुलदीप कुमार ने संबोधित करते हुए कहा कि संघ के 100 वर्ष पूर्ण होने पर विजयादशमी के अवसर पर फतेहाबाद में इस संचलन का आयोजन किया गया है। उन्होंने कहा कि संघ ने अपने 100 वर्ष के लंबे अंतराल में कई समस्याओं और

- पूर्ण गणवेश में निकले स्वयंसेवक, जगह-जगह हुआ स्वागत
- मीरा गार्डन से मुख्य बाजार तक निकला पथ संचलन
- संघ के 100 वर्ष पूरे होने पर पंच परिवर्तन का दिया संदेश

चुनौतियों का सामना किया, इसके बावजूद देश के साथ संघ आज भी अपने विशाल स्वरूप में स्थापित है। जिला प्रचारक ने अपने संबोधन में पंच परिवर्तन के विषय पर विशेष जोर देते हुए कहा कि सभी नागरिकों को अपने दैनिक जीवन में इन पंच परिवर्तन के सिद्धांतों को अपनाना



तिवारी के निर्देशन एवं मार्गदर्शन में आयोजित प्रैक्टिकल फिल्ममेकिंग वर्कशॉप के दौरान विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा निर्मित फिल्म का विशेष प्रदर्शन भी महोत्सव में होगा। विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. आशु रानी आयोजन की मुख्य संरक्षक रहेंगी।

आगरा में फिल्म इंडस्ट्री को बढ़ावा देने की पहल

नेशनल चैंबर के अध्यक्ष मनोज बंसल ने कहा कि चैंबर प्रदूषण रहित फिल्म इंडस्ट्री को बढ़ावा देने के लिए रोडमैप तैयार करेगा और शासन-प्रशासन से वार्ता करेगा। वहीं पूर्व अध्यक्ष मनीष अग्रवाल ने कहा कि चैंबर के माध्यम से इस

आत्मनिर्भरता की ओर कदम:‘ अर्न2लर्न’ कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने बेचे अपने उत्पाद 56 विद्यार्थियों ने लगाए 15 स्टॉल, हस्तनिर्मित आभूषणों, सजावटी सामान और स्वादिष्ट व्यंजनों का किया प्रदर्शन

- डिजिटल उद्यमिता और व्यावसायिक कौशल का मिला व्यावहारिक अनुभव, डॉ. सीमा सिंह और सुशील लक्वी आर्या के मार्गदर्शन में हुआ आयोजन

टीएनएफ टुडे, आगरा।

सेठ पदम चंद जैन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट में विद्यार्थियों को व्यावहारिक व्यावसायिक अनुभव प्रदान करने के उद्देश्य से ह्यअर्न2लर्नह्द कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में 56 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और कुल 15 स्टॉल लगाकर अपनी उद्यमशीलता कौशल का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने हस्तनिर्मित आभूषणों, सजावटी वस्तुओं और विभिन्न रचनात्मक उत्पादों के स्टॉल सजाए। इनमें फूलों की क्लिप, ब्रेसलेट, पाइप क्लीनर



से बनी वस्तुएँ, क्रोशिया उत्पाद, रिबन आइटम, मोस कोड ज्वेलरी, कस्टमाइज्ड ब्रेसलेट, लिपन आर्ट, वूलन क्राफ्ट, बुके, दिवाली सजावट, टी-लाइट होल्डर, रंगोली, वॉल हैंगिंग, हस्तनिर्मित बैग, की-चेन, साबुन, मोमबत्तियाँ और हस्तनिर्मित लैंप प्रमुख रूप से प्रदर्शित किए गए।

खाद्य पदार्थों और डिजिटल उद्यमिता का आकर्षण: खाद्य पदार्थों के स्टॉलों पर

इंडस्ट्री को आगे बढ़ाने में पूरी ताकत लगाई जाएगी।

फेस्टिवल निदेशक सूरज तिवारी ने कहा कि हमारा उद्देश्य आगरा को पर्यटन के साथ अंतरराष्ट्रीय सिनेमा के मानचित्र पर स्थापित करना और स्थानीय प्रतिभाओं को वैश्विक मंच प्रदान करना है।

प्रेस वार्ता में गणमान्य हस्तियों की उपस्थिति

प्रेस वार्ता में सूरज तिवारी, रणजीत सामा, प्रो. यू.एन. शुक्ला, मनोज बंसल, मनीष अग्रवाल, युवा उद्यमी शिवम शर्मा, महिला समाजसेविका जीनत जीशान, समाजसेवी कुलदीप पाठक, साहित्यकार श्रुति सिन्हा, लेखिका एवं शिक्षिका डॉ. कविता

रायजादा, साहित्यकार वत्सला प्रभाकर, अध्यक्ष फाउंडेशन के नीरज तिवारी एवं रेणु रावत तिवारी, फिल्ममेकर अंकित साारस्वत, जे.के. शर्मा, जितेश आशीवाल, ब्रज के शिव सिंह तथा पल्लवी महाजन , मनोज सिंह लंकेश, आरोही के अमित तिवारी सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

सभी ने महोत्सव को आगरा की सांस्कृतिक पहचान, फिल्म उद्योग के विकास और युवा प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने की महत्वपूर्ण पहल बताया। तीन दिवसीय आयोजन में अंतरराष्ट्रीय फिल्म प्रदर्शन, मास्टर क्लास, सांस्कृतिक प्रस्तुतियां और भव्य पुरस्कार समारोह प्रमुख आकर्षण होंगे।

आत्मनिर्भरता की ओर कदम:‘ अर्न2लर्न’ कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने बेचे अपने उत्पाद 56 विद्यार्थियों ने लगाए 15 स्टॉल, हस्तनिर्मित आभूषणों, सजावटी सामान और स्वादिष्ट व्यंजनों का किया प्रदर्शन

कर डिजिटल उद्यमिता का बेहतरीन उदाहरण पेश किया और ऑर्डर लेकर बिक्री की। कार्यक्रम के दौरान दिव्यांश के गिटार वादन और गायन ने उपस्थित समूह का भरपूर मनोरंजन किया।

व्यावहारिक ज्ञान का अवसर: कार्यक्रम समन्वयक डॉ. सीमा सिंह और सुशी लकी आर्या के मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों ने ब्रेक-ईवन पॉइंट की गणना, लाभ अधिकतमकरण, उत्पाद लॉन्चिंग, मार्केटिंग, ब्रांडिंग तथा पैकेजिंग जैसे व्यावसायिक पहलुओं को गहराई से समझा। युवराज सिंह पोरुष, राहुल, मानसी, अंश, आस्था और कीर्ति सहित अन्य विद्यार्थियों ने आयोजन की व्यवस्थाओं में महत्वपूर्ण योगदान दिया। इस आयोजन ने विद्यार्थियों को कक्षा के सैद्धांतिक ज्ञान को वास्तविक बाजार गतिविधियों से जोड़ने का सुनहरा अवसर प्रदान किया।

मूर्ति विसर्जन में जाने को लेकर पति-पत्नी में विवाद, युवक की पीटकर हत्या

मरणासन्न हालत में छोड़ने का आरोप, इलाज के दौरान मौत

टीएनएफ टुडे, फतेहाबाद।

थाना डौकी क्षेत्र के गांव चमरपुरा में विगत मंगलवार को पति-पत्नी में मूर्ति विसर्जन में जाने को लेकर विवाद हो गया था सूचना पर पहुंचे मायके पक्ष के लोगों पर युवक को मारपीट कर घायल अवस्था में छोड़कर चले गए थे। जहां उसकी इलाज के दौरान गुरुवार सुबह मौत हो गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया घटना की जानकारी से परिवार में कोहराम मचा हुआ है।

थाना डौकी क्षेत्र के गांव चमरपुरा निवासी राजेंद्र पुत्र बाबूलाल ने बताया कि विगत मंगलवार को मूर्ति विसर्जन में जाने को लेकर भाभी



पिंकी देवी जिद कर रही थी।भाई राजेश उम्र 36 वर्ष ने मूर्ति विसर्जन में जाने से मना किया था।इसको लेकर भाभी पिंकी देवी व भाई राजेश में विवाद हो गया था।इसके बाद भाभी पिंकी देवी ने अपने मायके फोन कर दिया जानकारी पर थाना मलपुरा क्षेत्र के गांव धनौली

मूर्ति विसर्जन पर विवाद, युवक की पीटकर हत्या का आरोप

निवासी ससुर ,साला दीपक, छोटू वह ससुर का साडू घर पहुंचे और भाई के साथ गाली गलौज करते हुए मारपीट की गई। और उसे बाइक पर बैठाकर ले गए और कौलारा झील के पास सभी ने उसके साथ मारपीट की गई। और भाई को मरणासन्न स्थिति में छोड़कर भाग गए। सूचना पर मौके पर परिजन मौके पर पहुंचे और गंभीर घायल अवस्था में भाई राजेश को आगरा के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। जहां गुरुवार सुबह 3:00 बजे के करीब राजेश ने इलाज के दौरान दम

तोड़ दिया। वहीं भाई राजेश राजम्पेत्री का काम करते थे। मृतक के भाई देवेंद्र ने ससुर ,दो साले व ससुर के साडू के खिलाफ थाने में तहरीर दी है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। वहीं मृतक के चार बच्चे हैं संजना उम्र 16 वर्ष, ईशिका 10 वर्ष, विजय 9 वर्ष, लाडो 3 वर्ष है।वहीं घटना में कोहराम मचा हुआ है।एसपीओ फतेहाबाद इमरान अहमद ने बताया कि घायल युवक की इलाज दौरान मौत हो गई है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज किया जा रहा है।



लायंस क्लब आगरा सर्वोत्तम के रक्तदान शिविर में 133 यूनिट रक्तदान

आगरा। लायंस क्लब आगरा सर्वोत्तम की ओर से आगरा-मथुरा रोड स्थित शारदा यूनिवर्सिटी में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए 133 यूनिट रक्तदान किया। शिविर का आयोजन समर्पण ब्हाड बैंक के सहयोग से किया गया। शिविर में मुख्य अतिथि वाई के गुप्ता और कार्यक्रम प्रभारी डॉ. परमानंद रहे।

क्लब अध्यक्ष सीए दिनेश कुमार गुप्ता ने बताया कि रक्तदान महादान है। हमारे द्वारा किया गया रक्तदान किसी जरूरतमंद व्यक्ति को नया जीवन दे सकता है। लोगों को रक्तदान के प्रति जागरूक करते हुए कहा कि स्वस्थ व्यक्ति को नियमित अंतराल पर रक्तदान के लिए आगे आना चाहिए। इससे जरूरतमंद मरीजों को समय पर रक्त उपलब्ध कराने में मदद मिलती है। इस अवसर पर सचिव प्रदीप अग्रवाल, कोषाध्यक्ष ऋषि अग्रवाल, डॉ. तरुण सिंघल, शशिकांत जैन, अटल बिहारी अग्रवाल, सीमा गुप्ता, मधु गुप्ता आदि मौजूद रहे।

दिया। महिला की चीख-पुकार सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे इसके बाद परिजन घायल गुड्डू देवी को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र फतेहाबाद लेकर पहुंचे। यहां चिकित्सकों ने महिला का उपचार किया।

सम्पादकीय

युवा आकांक्षाओं की उड़ान, आधुनिक कौशलों का विस्तृत क्षितिज, रोजगार के नए अवसर

देश के सामाजिक, आर्थिक और तकनीकी परिदृश्य में तेजी से आ रहे बड़े बदलावों के बीच हमारी विशाल युवा शक्ति ने अपनी अभूतपूर्व प्रतिभा, क्रांतिकारी नवाचारों और असीम ऊर्जा के बल पर एक नए तथा सशक्त भारत की नींव रख दी है। वैश्विक पटल पर भारत की सबसे बड़ी रणनीतिक पूंजी और वास्तविक सामर्थ्य यहाँ की विशाल युवा आबादी है जो हर कठिन से कठिन चुनौती को एक नए और सुनहरे अवसर में बदलने का अटूट हौसला रखती है। राष्ट्रीय स्तर पर लागू नई शिक्षा नीति, स्टार्टअप इंडिया मिशन और डिजिटल कौशलों के व्यापक विस्तार से हमारी नई पीढ़ी के सामने वैश्विक स्तर की अपार और युगांतरकारी संभावनाओं के नए द्वार खुले हैं। घटना के इस अत्यंत महत्वपूर्ण, संवेदनशील और दूरगामी पहलु से विचार करें तो यह स्पष्ट हो जाता है कि जब तक युवाओं की इस अपार ऊर्जा को सही दिशा, सही अवसर और पर्याप्त साधन नहीं मिलेंगे तब तक कोई भी राष्ट्र विकास के उच्चतम शिखर को स्पर्श नहीं कर सकता है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, अंतरिक्ष विज्ञान, खेल कूद, रक्षा अनुसंधान और उन्नत उद्यमिता के क्षेत्र में भारतीय युवाओं का तेजी से बढ़ता वर्चस्व यह साबित करता है कि हमारी नई पीढ़ी अब केवल नौकरियां मांगने वाली नहीं बल्कि लाखों नए रोजगारों का सृजन करने वाली बन रही है। तथापि इस विशाल क्षमता और जनस-र्षिष्णकी लाभांश का पूरा लाभ उठाने के लिए युवाओं को बदलते उद्योगों की आवश्यकताओं के अनुरूप प्रासंगिक तकनीकी कौशल, उच्च गुणवत्तायुक्त मार्गदर्शन और पूरी तरह पारदर्शी अवसर प्रदान करना हमारी सबसे पहली और सर्वोच्च राष्ट्रीय प्राथमिकता होनी चाहिए। सरकारी तंत्र, नीति नियंताओं और शिक्षण संस्थानों को यह बहुत अच्छी तरह समझना होगा कि केवल डिग्रियां बांटने या कागजी आंकड़े बढ़ाने के बजाय वास्तविक व्यावहारिक दक्षता, अनुसंधान और उद्यमशीलता को बढ़ावा देना ही बेरोजगारी का स्थाई तथा ठोस समाधान है। आवश्यकता इस बात की है कि हम अपने युवाओं के सपनों और सोच को सही प्रोत्साहन, आधुनिक बुनियादी ढांचा और निष्पक्ष वातावरण उपलब्ध कराएं ताकि वे अपनी नैसर्गिक प्रतिभा के बल पर भारत को दुनिया की अग्रिम पंक्ति में एक आत्मनिर्भर और अग्रणी महाशक्ति के रूप में मजबूती से स्थापित कर सकें।

अनसुने प्रसंग- क्षेपक कथा

इसलिए भगवान शिव ने गंगा जी को अपनी जटाओं में धारण किया था

भक्तमाल और श्रीमद्भगवत महापुराण के पावन इतिहास में इक्ष्वाकु वंशीय राजा भगीरथ के अगाध पितृ-भक्ति, अतुलनीय धैर्य और अडिग संकल्प की यह अमर कथा संपूर्ण मानव समाज के लिए संकल्पशक्ति की पराकाष्ठा प्रस्तुत करती है। प्राचीन काल में राजा सगर के साठ हजार पुत्रों को महर्षि कपिल के क्रोध से भस्म होकर ररक में भटकना पड़ रहा था और केवल गंगा जी के पावन जल के स्पर्श से ही उनका उद्धार संभव था।

अपने पूर्वजों की सद्गति और मोक्ष के लिए राजा भगीरथ ने अपना संपूर्ण राजपाट, सुख-सुविधाएं और ऐश्वर्य त्याग कर कठोर तपस्या करने का परम कठिन मार्ग चुना। भगीरथ जी ने हजारों वर्षों तक केवल वायु का भक्षण करते हुए ब्रह्मा जी की घोर तपस्या की जिससे प्रसन्न होकर ब्रह्मा जी ने गंगा जी को पृथ्वी पर भेजने का वरदान प्रदान किया। किंतु ब्रह्मा जी ने सचेत किया कि स्वर्ग से गिरती हुई गंगा जी के प्रचंड वेग को संभालने की क्षमता केवल और केवल देवों के देव महादेव में ही निहित है। राजा भगीरथ ने बिना तनिक भी निराश हुए पुनः एक पेर पर खड़े होकर भगवान आशुतोष शिव की अत्यंत कठिन और अनन्य साधना प्रारंभ की। उनकी अनन्य निष्ठा और अविचल संकल्प से प्रसन्न होकर भगवान भोलेनाथ ने गंगा जी के वेग को अपनी जटाओं में समेटने का सहर्ष वचन दे दिया। जब गंगा जी अपने अभिमान और भयंकर वेग के साथ स्वर्ग लोक से नीचे गिरी तब भगवान शिव ने उन्हें अपनी विशाल जटाओं में पूरी तरह समाहित कर लिया।

गंगा जी कई वर्षों तक शिव जी की जटाओं के भुलभुलैया में घूमती रहीं किंतु उन्हें बाहर निकलने का कोई मार्ग प्राप्त नहीं हुआ। भगीरथ जी ने पुनः शिव जी की स्तुति की जिसके पश्चात आशुतोष प्रभु ने अपनी जटा की एक लट खोलकर गंगा जी की धारा को पृथ्वी लोक पर प्रवाहित किया। आगे-आगे दिव्य रथ पर राजा भगीरथ चल रहे थे और उनके पीछे-पीछे पतित पावनी गंगा जी की पावन धारा प्रवहमान हो रही थी। मार्ग में जब महर्षि जड्हु का आश्रम जलमग्न हुआ तब क्रोधित होकर वे गंगा जी को पी गए, किंतु भगीरथ की प्रार्थना पर उन्होंने गंगा जी को अपनी कान की संधि से पुनः मुक्त किया। अंततः भगीरथ जी गंगा जी को कपिल मुनि से आश्रम तक ले आए जहाँ उनके स्पर्श मात्र से सगर के साठ हजार पुत्रों का उद्धार हुआ और उन्हें वैकुंठ धाम की प्राप्ति हुई। यह पावन प्रसंग हमें यह अमर सीख देता है कि यदि मनुष्य का लक्ष्य पवित्र हो और संकल्प अडिग हो, तो दुनिया की कोई भी असम्भव चुनौती उसके मार्ग का रोड़ा नहीं बन सकती।

सितारों की चाल: आपका भविष्यफल

कल का दिन कैसा होगा? इसकी तैयारी आज ही करें!



शुभकार्य हेतु आज का वंद्वबल
आज मेष मिथुन सिंह तुला धनु और कुंभ राशि के जातकों का मानसिक मुनोबल और भाग्य का संबल अत्यंत उत्तम रहेगा। शनिवार का दिन न्याय के देवता भगवान शनिदेव और

संकटमोचन श्री हनुमान जी की साधना के लिए परम पवित्र और अक्षय फलदायी माना जाता है। आज के दिन पीपल के वृक्ष के नीचे सरसों के तेल का दीपक जलाने तथा हनुमान वालीसा का पाठ करने से जीवन के सभी भय दूर होते हैं और शनि दोष तथा कष्टों से अप्रत्याशित मुक्ति मिलती है।

भारत के लिए सबक: SIR में तेजी लाएं, UCC जरूरी, मजहबी कट्टरता पर लगाम लगे!

○ ब्रज खंडेलवाल

यूरोप की सड़कों पर उठता धुआँ क्या भारत के लिए खतरे की घंटी है? पेरिस से लेकर दूसरे यूरोपीय शहरों तक हिंसक विरोध, आगजनी और लूटपाट ने हुक्मरानों की नींद उड़ा दी है। आब्रजन, पहचान और समाज में घुलने-मिलने के सवाल भी सियासत के केंद्र में हैं। यूरोप की यह बेचैनी भारत के लिए एक सबक है। समस्याओं को वक्त रहते सुलझाना समझदारी है। उन्हें कालौन के नीचे छिपाना, मुसीबत को न्योता देना है।

जब सरकारें कानून लागू करने, अवैध घुसपैठ रोकने और समाज में भरोसा कायम करने से कतराती हैं, तो छोटी दरारें बड़ी खाई बन जाती हैं।

SIR: वोटर लिस्ट साफ होगी, तभी लोकतंत्र मजबूत होगा

मोदी सरकार की मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी रक्क की पहल इसी संदर्भ में अहम है। लोकतंत्र की बुनियाद साफ है। हर पात्र नागरिक को वोट देने का हक मिले। किसी गैर-नागरिक का नाम मतदाता सूची में नहीं होना चाहिए। अगर विदेशी नागरिक मतदाता सूची में शामिल हो जाते हैं, तो असली नागरिकों के लोकतांत्रिक अधिकार प्रभावित होते हैं। चुनाव की निष्पक्षता पर सवाल उठते हैं।



मतदाता सूची की विश्वसनीयता घटती है। नागरिकता और मतदान के बीच रिश्ता कमजोर पड़ता है। भारत की लंबी सीमाएँ हैं। कुछ इलाकों में अवैध घुसपैठ की शिकायतें पुरानी हैं। खासकर सीमावर्ती राज्यों में इस सवाल को गंभीरता से देखना जरूरी है। जमीन, रोजगार, सरकारी सुविधाओं और स्थानीय राजनीति पर इसके असर की जाँच होनी चाहिए। आँखें मूँद लेने से समस्या खत्म नहीं होती।

दोहराने की जरूरत नहीं है। रक्क में पारदर्शिता होनी चाहिए। लोगों को अपनी नागरिकता और पहचान साबित करने का उचित मौका मिले। गरीबों, बुजुर्गों, मजदूरों और दूर-दराज के इलाकों में रहने वालों को कागजों के नाम पर परेशान नहीं किया जाना चाहिए। गलत नाम हटाने की प्रक्रिया

साफ हो। हर प्रभावित व्यक्ति को सुनवाई और अपील का मौका मिले।मकसद साफ होना चाहिए। मतदाता सूची दुरुस्त हो, नागरिकों की पहचान पुख्ता हो और हर पात्र वोटर का हक सुरक्षित रहे। यही लोकतंत्र की असली पहरेदारी है। अब बात समान नागरिक संहिता यानी वउउ की। भारत अनेक धर्मों, भाषाओं और परंपराओं वाला मुल्क है। यही उसकी खूबसूरती है। मगर विविधता के नाम पर भेदभाव को हमेशा ढोते रहना भी जरूरी नहीं।

संविधान का अनुच्छेद 44 राज्य को समान नागरिक संहिता की दिशा में प्रयास करने का निर्देश देता है। सवाल है कि शादी, तलाक, विरासत और पारिवारिक अधिकारों जैसे मामलों में समानता का

ब्रज की विलुप्तप्राय लोककलाएं— सांझी, चरकुला और बुझते आंगन के दीयों का पुनर्पाठ

○ डॉ. दीपक गोस्वामी

ब्रजभूमि को केवल मथुरा, वृंदावन, गोवर्धन, बरसाना, नंदगाँव और गोकुल के भौगोलिक विस्तार से नहीं समझा जा सकता। इसकी वास्तविक पहचान उन लोकपरंपराओं में बसती है, जिनमें भक्ति ने कला का रूप लिया, प्रकृति ने रंग दिए और जनजीवन ने संस्कृति को पीढ़ी-दर-पीढ़ी आगे बढ़ाया। यहाँ मंदिर का प्रांगण, घर का आँगन, होली का उत्सव और संध्या की आराधना केवल धार्मिक क्रियाएँ नहीं रहे; वे सामूहिक स्मृति और सांस्कृतिक शिक्षा के माध्यम भी बने। किंतु प्रश्न है कि जिस ब्रज ने प्रेम को लोककला में ढाला, क्या वह अपनी कलाओं को अगली पीढ़ी तक पहुँचाने की जिम्मेदारी निभा पा रहा है?

सांझी चित्रकला और चरकुला नृत्य इसी प्रश्न के केंद्र में हैं। इनके साथ फूलों की सांझी, गोबर से बनने वाली सांझी, जल पर रची जाने वाली क्षणभंगुर आकृतियाँ, गोवर्धन से जुड़ी लोकनिर्माण परंपराएँ और रसिया गायन जैसी विधाओं का संसार भी जुड़ा है। इन सभी के वर्तमान संकट की सीमा एक समान नहीं है; कुछ रूप मंदिरों और सांस्कृतिक आयोजनों में जीवित हैं, कुछ सीमित कलाकारों तक सिमट रहे हैं और कुछ के पुराने स्वरूपों का व्यवस्थित दस्तावेजीकरण आवश्यक है। इसलिए इन्हें बिना प्रमाण पूरी तरह विलुप्त घोषित करना उचित नहीं; किंतु इनके संरक्षण की आवश्यकता को अनदेखा करना भी सांस्कृतिक भूल होगी।

सांझी की दुनिया में प्रवेश करते ही स्पष्ट होता है कि ब्रज में चित्र बनाना केवल सौंदर्य रचना नहीं, आराधना का माध्यम भी रहा है। भारतीय संस्कृति में संध्या का समय दिन और रात के संधिकाल के रूप में विशेष महत्त्व रखता है। वैष्णव परंपरा में सांझी का संबंध राधा-कृष्ण की लीलाओं, वृंदावन की प्राकृतिक छवियों और मंदिरों की साध्य आराधना से जुड़ा है। लोकविश्वास में राधारानी द्वारा कृष्ण के स्वागत के लिए आँगन सजाने की कथा प्रचलित है। इसे सांस्कृतिक आख्यान के रूप में समझना चाहिए; इसके प्रत्येक विवरण को प्रमाणित ऐतिहासिक घटना मानना आवश्यक नहीं।

सांझी के दो परस्पर संबद्ध रूप विशेष उल्लेखनीय हैं—लोकपरंपरा और मंदिर परंपरा। लोकजीवन में गोबर, मिट्टी, फूलों, पतियों और प्राकृतिक रंगों से दीवारों अथवा आँगनों पर आकृतियाँ बनाने की परंपराएँ रही हैं। मंदिरों में कागज को बारीकी से काटकर साँचे तैयार किए जाते हैं और उनके माध्यम से रंगों की सूक्ष्म आकृतियाँ रची जाती हैं। राधा-कृष्ण की लीलाएँ, वृक्ष, लताएँ, पशु-पक्षी और ब्रज के धार्मिक प्रतीक इन रचनाओं को विशिष्ट पहचान देते हैं। भारत सरकार के हस्तशिल्प संबंधी अभिन्नक्ष भी मथुरा-वृंदावन की सांझी को कागजी साँचे काटने और रंगों से चित्र रचने वाली पारंपरिक कला के रूप में दर्ज करते हैं।

इस कला का सबसे बड़ा संदेश उसकी क्षणभंगुरता में छिपा है। फूलों से बनी सांझी मुरझा सकती है, रंगों की आकृति मिट सकती है और जल पर तैरता चित्र कुछ समय बाद विलीन हो सकता है; फिर भी उसे बनाने में लगा प्रेम, कौशल और सामूहिक भाव स्थायी सांस्कृतिक मूल्य बन जाता है। यह भारतीय जीवनदृष्टि के उस भाव से मेल खाता है जिसमें सृजन के साथ अनित्यता का बोध भी जुड़ा है। किंतु आध्यात्मिक अर्थ निकालने का बोध भी जुड़ा है। सांझी के विविध रूपों की अपनी अलग ऐतिहासिक और तकनीकी परंपराएँ हैं।

दूसरी ओर, चरकुला नृत्य ब्रज की उत्सवधर्मी लोकचेतना का सजीव रूप है। उत्तर प्रदेश पर्यटन भी चरकुला को ब्रज की पारंपरिक नृत्य विधाओं में स्थान देता है। विशेष रूप से मथुरा क्षेत्र के मुखराई गाँव का नाम इस परंपरा से जुड़ा है। इसमें नर्तकी सिर पर चरकुला नामक बहुस्तरीय संरचना रखकर लय और संतुलन के साथ नृत्य करती है। अनेक प्रस्तुतियों में इस संरचना पर दीपक जलाए जाते हैं और रसिया तथा लोकसंगीत की धुनों पर नृत्य किया जाता है। संरचना का आकार, भार और दीपकों की संख्या हर प्रस्तुति में समान हो, यह आवश्यक नहीं; इसलिए प्रचलित संख्याओं को सर्वमान्य ऐतिहासिक तथ्य नहीं मानना चाहिए।

लोककथाएँ चरकुला को राधा-कृष्ण की लीलाओं और ब्रज के उत्सवों से जोड़ती हैं। ऐसी कथाएँ समुदाय की सांस्कृतिक स्मृति का महत्त्वपूर्ण हिस्सा हैं। इनका

मूल्य केवल ऐतिहासिक प्रमाण में नहीं, बल्कि उस भावलोक में भी है जिसके सहारे कोई समाज अपनी पहचान रचता है। फिर भी लोकविश्वास, ऐतिहासिक प्रमाण और आधुनिक मंचीय प्रस्तुति के बीच अंतर बनाए रखना आवश्यक है। यही दृष्टि संस्कृति के प्रति श्रद्धा को अंधविश्वास से और परंपरा के सम्मान को तथ्यहीन दावों से अलग करती है।

इन कलाओं के सामने संकट के कई स्तर हैं। पहला, पारंपरिक परिवेश का बदलना। कच्चे घरों, खुले आँगनों और प्राकृतिक सामग्री के स्थान पर पक्के मकानों तथा सीमित घरेलू स्थानों का विस्तार हुआ है। इससे आँगन में कला सीखने और बनाने के पुराने अवसर कम हो सकते हैं। दूसरा, गुरु-शिष्य परंपरा की कमजोरी। जब परिवारों में बच्चों की नियमित प्रशिक्षण नहीं मिलता, तब वर्षों में अर्जित सूक्ष्म कौशल अगली पीढ़ी तक नहीं पहुँच पाता। तीसरा, आर्थिक असुरक्षा। यदि कलाकार को सामग्री, समय और श्रम का उचित मूल्य नहीं मिलता, तो वह दूसरी आजीविका अपनाने के लिए विवश हो सकता है। चौथा, उत्सवों का मंचीयकरण। जब लोककला केवल कुछ मिनटों के प्रदर्शन तक सीमित रह जाती है, तब उसके पीछे का इतिहास, अभ्यास, सामाजिक संदर्भ और आध्यात्मिक अर्थ दर्शकों तक नहीं पहुँच पाते।

यह भी ध्यान रखना होगा कि बदलती जीवनशैली अपने आप में संस्कृति की शत्रु नहीं है। चुनौती यह है कि परितर्जन के बीच परंपरा की आत्मा कैसे सुरक्षित रखी जाए। सांझी को केवल कच्ची दीवार तक सीमित कर देना या चरकुला को केवल धार्मिक आयोजन तक बाँध देना इनके संभावित विकास को रोक सकता है। दूसरी ओर, बाजार की माँग के अनुसार इनके मूल स्वरूप को पूरी तरह बदल देना भी सांस्कृतिक क्षति का कारण बन सकता है। आवश्यकता संतुलन की है—परंपरा का सम्मान, प्रयोग की स्वतंत्रता और कलाकार के अधिकार, तीनों साथ चлें।

पुनर्जीवन के लिए पहला कदम होना चाहिए—ब्रज की लोककलाओं का व्यवस्थित सर्वेक्षण। गाँव, मंदिर, कलाकार परिवार, प्रशिक्षण परंपराएँ, प्रयुक्त सामग्री, गीत, कथाएँ और पुराने नमूने दर्ज किए जाएँ। स्थानीय विश्वविद्यालयों, वृंदावन शोध संस्थान, संग्रहालयों और

रास्ता कब साफ होगा?

किसी महिला को सिर्फ उसके मजहब या परिवार की परंपरा के कारण बराबरी से वॉचत क्यों रखा जाए? इंसाफ का तराजू सबके लिए एक जैसा होना चाहिए। किसी धर्म या समुदाय को संविधान से ऊपर नहीं माना जा सकता।

एक देश, बराबर अधिकार। न किसी को खास रियायत, न किसी के साथ नाइंसाफी।

यही संवैधानिक रास्ता है। यही आधुनिक भारत की जरूरत भी है।

यूरोप की उथल-पुथल को कुछ विचारक सभ्यताओं के टकराव के रूप में देखते हैं। उनके मुताबिक, एक तरफ आधुनिक लोकतांत्रिक मूल्य हैं, तो दूसरी तरफ कुछ कट्टरपंथी विचारधाराएँ हैं, जो मजहबी नियमों को सर्वोपरि मानती हैं। असली सवाल यह है कि कौन संविधान और कानून का सम्मान करता है, और कौन मजहब के नाम पर दूसरों पर अपनी मर्जी थोपना चाहता है।

भारत को हर तरह की मजहबी कट्टरता, सांप्रदायिक नफरत और हिंसक राजनीति के खिलाफ सख्त रुख अपनाना चाहिए। किसी को भी कानून हाथ में लेने, दूसरों को धमकाने या धार्मिक सत्ता को संविधान से ऊपर रखने की इजाजत नहीं मिलनी चाहिए।

कानून का डंडा सबके लिए बराबर

चले। चुनिंदा लोगों पर सख्तों और अपने लोगों को छूट, इस दोहरे रवये से समाज नहीं जुड़ता।

यूरोप का अनुभव बताता है कि कमजोर सीमा प्रबंधन, एकीकरण की नाकामी और राजनीतिक दुलमुलपन समय के साथ बड़ी समस्याएँ पैदा कर सकते हैं। भारत को इनसे सबक लेना चाहिए।

सीमाओं की निगरानी मजबूत हो। अवैध घुसपैठ की निष्पक्ष जाँच हो। नागरिकता की पुष्टि कानून के मुताबिक हो। मतदाता सूचियाँ दुरुस्त रहें। समान नागरिक संहिता पर गंभीरता से आगे बढ़ा जाए।

लेकिन सरकार को यह भी याद रखना होगा कि प्रशासनिक कार्रवाई राजनीतिक धुवीकरण का हथियार नहीं बननी चाहिए। हर नागरिक को इज्जत, निष्पक्ष सुनवाई और कानून का संरक्षण मिलना चाहिए।

भारत की ताकत उसकी विविधता में है। जरूरत इस बात की है कि इस विविधता को संविधान के साझा धागे में पिरोया जाए। यूरोप से मिलने वाला संदेश साफ है। साझा नियमों के बिना सामाजिक एकता नहीं टिकती, और जनता के भरोसे के बिना लोकतंत्र मजबूत नहीं होता।

भारत को तेजी से कदम उठाने होंगे, मगर पूरी समझदारी के साथ। मजबूत सीमाएँ, साफ मतदाता सूचियाँ, समान नागरिक अधिकार और सांप्रदायिकता पर सख्त लगाम एक-दूसरे के विरोधी नहीं हैं।

दिनांक 24 अक्टूबर 2026 शनिवार

प्रिय पाठकों, TNF टुडे हमेशा आपकी सुविधा को सर्वोपरि रखता है। इसी उद्देश्य से हम आपको एक दिन अग्रिम (Advance)

राशिफल प्रदान कर रहे हैं ताकि आप अपने महत्वपूर्ण कार्यों, बैठकों और यात्राओं की योजना आज रात ही बना सकें। सितारों की चाल की पहली सीढ़ी है।

की परिक्रमा करें जिससे आपके जीवन में शांति बनी रहे।

वृद्धिक

आज आपके सोचे हुए सभी शासकीय और कानूनी कार्य बिना किसी रुकावट के समय पर पूरे होंगे। अपने स्वास्थ्य का थोड़ा ध्यान रखें और दिनचर्या को पूरी तरह संयमित रखने का प्रयास करें। बजरंग बाण का पाठ करें जिससे आपके सभी विरोधी और शत्रु शांत रहें।

धनु

आज भाग्य का पूरा साथ मिलने से आपके सभी अटके हुए प्रोजेक्ट तेजी से आगे बढ़ेंगे और मन प्रफुल्लित रहेगा। धार्मिक गतिविधियों और सेवा कार्यों में आपकी रही रुचि रहेगी निष्पक्ष आत्मिक शांति मिलेगी। जरूरतमंद विद्यार्थियों को पठन सामग्री दान करें जिससे आपके मार्ग प्रशस्त हो।

मकर

आज नौकरीपेशा लोगों को पदोन्नति या नई जिम्मेदारी मिलने के बहुत ही सुंदर योग बन रहे हैं। पैतृक संपत्ति से जुड़ा कोई पुराना विवाद आपसी बातचीत से सुलझ सकता है। सरसों के तेल का दान करें जिससे आपके करियर की

बाधाएं समाप्त होंगी।

कुंभ

आज आध्यात्मिक और सामाजिक कार्यों में आपकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी और किसी महत्वपूर्ण यात्रा का योग बनेगा। व्यावसायिक साझेदारी के साथ संबंध मजबूत होंगे जिससे व्यापार में बड़ा मुनाफा मिलेगा। पक्षियों को दाना डालें जिससे आपकी आर्थिक स्थिति और अधिक मजबूत हो।

मीन

आज आर्थिक लेन-देन में पूरी सावधानी बरतें और किसी भी अनजान योजना में सोच-समझकर ही पैसा लगाएं। पारिवारिक माहौल सुखद रहेगा और जीवनसाथी का पूरा सहयोग आपके साथ बना रहेगा। हनुमान जी को चोला अर्पित करें जिससे आपके सभी मानसिक तनाव दूर हों।

आज का वास्तु शोधनम सूत्र

शनिवार के दिन घर की पश्चिम दिशा को पूरी तरह स्वच्छ रखकर वहां लोहे या नीले रंग की वस्तुएं स्थापित करने तथा मुख्य द्वार पर सरसों के तेल का दीपक जलाने से घर का गंभीर वास्तु दोष समाप्त होता है तथा शनिदेव की कृपा से घर में अखंड न्याय, शांति और सुख-समृद्धि का वास होता है।

विधान परिषद चुनाव की तैयारी पूरी, आज 38 मतदेय स्थलों पर मतदान

मथुरा में स्नातक और शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र के लिए पोलिंग पार्टियां खाना

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

उत्तर प्रदेश विधान परिषद के खण्ड स्नातक के 05 एवं खण्ड शिक्षक के 06 निर्वाचन क्षेत्रों के द्विवार्षिक निर्वाचन 2026 के संबंध में मंडलायुक्त नगेन्द्र प्रताप, जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह तथा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शोक कुमार की उपस्थिति में पोलिंग पार्टियों की रवानगी हुई। पोलिंग पार्टियों को बक्से एवं समस्त प्रकार की सामग्री को उपलब्ध कराया गया तथा सभी पोलिंग पार्टियां सकुशल रवाना हुईं। 23 अक्टूबर 2026 को मतदान हेतु 07 जोनल मजिस्ट्रेटों, 17 सेक्टर मजिस्ट्रेटों (रिजर्व सहित) तथा 41

माइक्रो ऑब्जर्वरों (रिजर्व सहित) की द्यूटी लगाई गई है। जनपद में 19 मतदेय स्थल स्नातक निर्वाचन क्षेत्र तथा 19 मतदेय स्थल शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र के हैं। जनपद में 15 मतदान केंद्र स्नातक निर्वाचन क्षेत्र तथा 15 मतदान केंद्र शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र के हैं। अंतिम प्रकाशन 6 जनवरी 2026 के अनुसार खण्ड शिक्षक हेतु कुल 6694 मतदाता (4315 पुरुष व 2379 महिला) है तथा खण्ड स्नातक हेतु कुल 10669 मतदाता (7175 पुरुष व 3494 महिला) है। खण्ड शिक्षक एवं स्नातक निर्वाचन क्षेत्र का निर्वाचन 23 अक्टूबर 2026 को कराया जायेगा तथा मतगणना हेतु



27 अक्टूबर 2026 नियत है। जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह ने सभी स्नातक एवं शिक्षक मतदाताओं से अपील की कि अपने मताधिकार का प्रयोग अवश्य करें तथा लोकतंत्र के

इस महापर्व में अपनी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करते हुए एक सशक्त लोकतंत्र के निर्माण में योगदान दें। उन्होंने कहा कि अधिकाधिक संख्या में मतदान करें। अपने मताधिकार का

प्रयोग अवश्य करें तथा लोकतंत्र को सशक्त बनाएं। आपका वोट, आपकी ताकत है। जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह ने अवगत कराया है कि भारत

- सुबह 8 से शाम 4 बजे तक मतदान
- स्नातक के 10,669 और शिक्षक के 6,694 मतदाता करेंगे मतदान
- सुरक्षा और निगरानी के लिए 7 जोनल, 17 सेक्टर मजिस्ट्रेट व 41 माइक्रो ऑब्जर्वर तैनात

निर्वाचन आयोग द्वारा लिये गये निर्णय के अनुसार उत्तर प्रदेश विधान परिषद के आगरा खण्ड स्नातक/ शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र के द्विवार्षिक निर्वाचन-2026 के लिये शुक्रवार को होने वाले मतदान में

प्रतिरूपण को रोकने की दृष्टि से मतदान के समय ऐसे मतदाता जिन्हें फोटो पहचान पत्र जारी किये गये हैं, को अपनी पहचान सिद्ध करने के लिये मत देने से पूर्व अपना मतदाता फोटो पहचान पत्र प्रस्तुत करना होगा। तथापि वे निर्वाचक जो अपना निर्वाचन फोटो पहचान पत्र प्रस्तुत नहीं कर पाते हैं, उन्हें वैकल्पिक दस्तावेजों में से कोई एक दस्तावेज प्रस्तुत करना होगा। वैकल्पिक दस्तावेज: आधार कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, पैन कार्ड, भारतीय पासपोर्ट, राज्य / केन्द्र सरकार सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों, स्थानीय निकायों या अन्य

निजी औद्योगिक घरानों द्वारा अपने कर्मचारियों को जारी किये गये सेवा पहचान पत्र, सांसदों/विधायकों/ पार्षदों को जारी किये गये सरकारी पहचान पत्र, शैक्षिक संस्थाओं, जिसमें सम्बन्धित शिक्षक / स्नातक निर्वाचन क्षेत्र का निर्वाचक नियोजित हो, द्वारा जारी सेवा पहचान पत्र, विश्वविद्यालय द्वारा जारी डिग्री / डिप्लोमा का मूल प्रमाण पत्र, सक्षम प्राधिकारी द्वारा जारी द्विवार्षिक सम्बन्धी मूल प्रमाण पत्र, यूनिट डिसएंबिलिटी आईडी (यूडीआईडी) कार्ड, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार शामिल हैं।

खेल शिक्षकों को मिला मंत्र, संवाद से सुलझेंगी बच्चों की समस्याएं

योग और प्राथमिक उपचार पर हुए सत्र

- मानसिक मजबूती से निखरेगा बच्चों का खेल प्रदर्शन
- खेल वोट, डेपिंग और पोषण पर विशेषज्ञों ने दी जानकारी
- बच्चों से संवाद स्थापित कर समस्याओं का समाधान करें शिक्षक

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान में खेल पर आधारित प्रशिक्षण "स्पर्धा" का दूसरे दिन का शुभारंभ सह प्रभारी हरेश सिंह ने मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित और माल्यार्पण कर किया।

संस्थान के प्राचार्य डॉक्टर धर्मेन्द्र शर्मा के दिशा निर्देश में चल रहे इस प्रशिक्षण में दूसरे दिन के सत्र में सबसे पहला सत्र संवर्धन देशराज सिंह के साथ कैलस्थेनिक व्यायाम और योगासन संस्थान के बास्केटबाल मैदान पर कराते हुए



हुआ। दूसरा सत्र प्रोफेसर डॉक्टर कुलविंदर बग्गा प्राचार्य के आर टी टी कॉलेज ने "खेल मनोविज्ञान: मानसिक ताकत से शानदार खेल प्रदर्शन" के तहत बताया कि वर्तमान परिप्रेक्ष्य में हम सभी खेल शिक्षक - शिक्षिकाओं का दायित्व बहुत बढ़ गया है। हम सभी को बच्चों से संवाद स्थापित करते रहना चाहिए और उनकी समस्याओं का समाधान

अवश्य करना चाहिए। मानसिक परेशान बच्चे से संवाद स्थापित करना ही अपने में क्रियात्मक शोध का हिस्सा है। ये शोध हमेशा समाधान ही प्रदान करता है। अन्य सत्रों में खेल में लगने वाली चोट, बचाव एवं प्राथमिक उपचार, खेलों में नैतिकता एवं मूल्य, डोपिंग, स्वास्थ्य एवं खेल पोषण, खेलों में परीक्षण, मापन एवं मूल्यांकन

क्रमशः सन्दर्भदाता हरेश सिंह, मनोज रावत, सीमा शर्मा, प्रवीण, सुमित, नरेंद्र कुमार पाण्डेय और शिव दीक्षित ने लिए। इस प्रशिक्षण में डीएलएड प्रशिक्षु अखिल कुमार, महेंद्र, रितेश, अंशु, करिश्मा, यशस्विनी, सोम्या, प्रिंसी, पूजा और राजकुमार, सुभाष, प्रेम ने सराहनीय सहयोग प्रदान किया।

ब्रजरज उत्सव में उतरेगा पूरा ब्रज, गोकुल गांव बनेगा खास आकर्षण

24 अक्टूबर को होगा औपचारिक शुभारंभ

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

भगवान श्रीकृष्ण की जन्म और लीला स्थली मथुरा-वृंदावन में ब्रजरज उत्सव का उल्लास शुक्रवार से शुरू होने जा रहा है। उत्सव के पहले दिन 23 अक्टूबर को वृंदावन स्थित नवनिर्मित स्वामी हरिदास प्रेक्षागृह में सिने अभिनेत्री एवं सांसद हेमा मालिनी की नृत्य नाटिका हृदयगांवा का मंचन होगा। इसी प्रस्तुति के साथ ब्रजरज उत्सव की सांस्कृतिक गतिविधियों का आगाज हो जाएगा। इस बार उत्सव के अंतर्गत मथुरा के साथ जनपद-एक उत्पाद और 20 ग्रामोद्योग से जुड़े उत्पादों के लिए निर्धारित की गई हैं। वहीं, 20 दुकानें विभिन्न सरकारी विभागों के लिए रखी गई हैं, जहां विभाग अपनी योजनाओं और उपलब्धियों का प्रदर्शन करेंगे। मेले में आने वाले लोगों के मनोरंजन के लिए झूलों की व्यवस्था की गई है।



कुल 130 दुकानें बनाई जा रही हैं। इनमें 30 दुकानें फूड कोर्ट, 20 हुनर हाट, 20 हस्तशिल्प, 20 एक जनपद-एक उत्पाद और 20 ग्रामोद्योग से जुड़े उत्पादों के लिए निर्धारित की गई हैं। वहीं, 20 दुकानें विभिन्न सरकारी विभागों के लिए रखी गई हैं, जहां विभाग अपनी योजनाओं और उपलब्धियों का प्रदर्शन करेंगे। मेले में आने वाले लोगों के मनोरंजन के लिए झूलों की व्यवस्था की गई है।

आकर्षण का केंद्र बनेगा गोकुल गांव

इस बार ब्रजरज उत्सव में गोकुल गांव विशेष आकर्षण का केंद्र होगा। सीईओ लक्ष्मी नागपन ने बताया कि गोकुल गांव की थीम पर एक विशेष स्थल विकसित किया जा रहा है, जहां ब्रज के प्राचीन ग्रामीण जीवन की झलक देखने को मिलेगी। यहां प्राचीन घर, गांवों और ग्रामीण परिवेश के माध्यम से पारंपरिक गांव का स्वरूप साकार किया जाएगा।

ब्रज रज उत्सव के सांस्कृतिक कार्यक्रमों की सूची

अतिथि कलाकार एवं प्रस्तुति

23 अक्टूबर हेमा मालिनी – नृत्य नाटिका हृदयगांवा, स्वामी हरिदास प्रेक्षागृह, वृंदावन
24 अक्टूबर ईशान मिश्रा – सूफी गायन, धौलीयाऊ रेलवे ग्राउंड
25 अक्टूबर सौरभ राज जैन – हम्मरे कृष्णह, स्वामी हरिदास प्रेक्षागृह वृंदावन
25 अक्टूबर रसिक वैष्णव – ह्मन्न रसह भजन कॉन्सर्ट, धौलीयाऊ रेलवे ग्राउंड
26 अक्टूबर रासलीला-गीता शोध संस्थान – स्वामी हरिदास प्रेक्षागृह वृंदावन
26 अक्टूबर सुदेश भोसले म्यूजिकल इवनिंग
27 रूद्रस नादात्म बैंड – संगीत प्रस्तुति, धौलीयाऊ रेलवे ग्राउंड
27 अक्टूबर शिवानी मिश्रा – ह्मन्न ऑफ यूपीह, स्वामी हरिदास प्रेक्षागृह वृंदावन
28 अक्टूबर ईशिता विश्वकर्मा – भजन प्रस्तुति, धौलीयाऊ रेलवे ग्राउंड
29 अक्टूबर लखबीर सिंह लक्खा – भजन प्रस्तुति, धौलीयाऊ रेलवे ग्राउंड
30 अक्टूबर अतुल पंडित – सांस्कृतिक प्रस्तुति, धौलीयाऊ रेलवे ग्राउंड
31 अक्टूबर पद्मश्री रामदयाल – नौटंकी, धौलीयाऊ रेलवे ग्राउंड
1 नवंबर मधुसुम डिवीशनल म्यूजिकल बैंड, धौलीयाऊ रेलवे ग्राउंड
2 नवंबर बैंक स्टेज सिवलिंग – संगीत प्रस्तुति, धौलीयाऊ रेलवे ग्राउंड



एमएलसी शिक्षक व स्नातक पदों के मतदान की तैयारियां पूर्ण, पोलिंग पार्टियां पहुंचीं

सैया। विधान परिषद सदस्य (एमएलसी) के खंड शिक्षक एवं खंड स्नातक निर्वाचन के लिए विकास खंड सैया कार्यालय स्थित मतदान केंद्र पर सभी आवश्यक व्यवस्थाएं पूर्ण कर ली गई हैं। मतदान के लिए दोनों पदों के लिए अलग-अलग एक-एक बूथ बनाए गए हैं। खंड शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र से विधान परिषद सदस्य पद के लिए 1,028 मतदाता, जबकि खंड स्नातक निर्वाचन क्षेत्र के लिए करीब 351 मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। खंड विकास अधिकारी जयकिशन दोहरे ने बताया कि मतदान को लेकर सभी आवश्यक व्यवस्थाएं पूरी कर ली गई हैं। मतदान प्रक्रिया को सुचारु रूप से संपन्न कराने के लिए पोलिंग पार्टियां भी मतदान केंद्र पर पहुंच चुकी हैं।

पुलिस से किसानों के भिड़ने पर 20 के खिलाफ एफआईआर, पुतला दहन करने पर हो गई थी भिड़ंत

मथुरा। छाता में बंद शूगर मिल को चालू कराने की मांग को लेकर चलागातर धरना दे रहे किसानों के प्रदर्शन में बदलाव आ गया। कबीना मंत्री का पुतला दहन करने पर उतार प्रदर्शनकारी एवं पुलिस के मध्य टकराव हो गया। प्रतिफल में पुलिस ने 20 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। छाता थाने में दरगा अकित मलिक की तहरीर पर दर्ज एफआईआर के मुताबिक, आसपास के गांव से लोग ट्रैक्टरों पर समवार होकर धरना स्थल पहुंचे थे। आरोप यह है कि उनके हाथों में लाठी डंडे एवं ईंट पत्थर थे। उन्होंने पुलिस के खिलाफ नारिबाजी की। पुलिस का आरोप है कि ललित तालान और जबर सिंह मंच से भाषण देकर लोगों को उकसा रहे थे। कुछ लोगों ने पुलिस पर डीजल डालकर लाइटर से आग लगाने की कोशिश की। ईंट पत्थर और कुर्सियों से हमले का आरोप एफआईआर के मुताबिक, प्रदर्शनकारी जमप्रतिनिधियों का पुतला जलाने की कोशिश कर रहे थे। पुलिस ने उन्हें रोकने का प्रयास किया तो उन्होंने पुतला नहीं छोड़ा। आरोप है कि इसके बाद पुलिस कर्मियों पर ईंट पत्थर और कुर्सियों से हमला किया। पुलिस ने ललित तालान, जबर सिंह, पद्म, किशोरी, कृष्णा आचार्य, धर्म सिंह, शेरपाल, अरविंद, राम चरण, शिवराम, भोला उर्फ लेखराज, कान्हा, राजेश वैधरी, मुरली नेता, कृष्णा, रघुराज, जोषपाल, भवना, कारी उर्फ नरेंद्र आदि शामिल हैं इसके साथ ही 120 आत लोगों के खिलाफ के सदरज किया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

अवैध तमचे के साथ धर दबोचा अपराधी

मथुरा। थाना मगोरी पुलिस टीम द्वारा अभियुक्त को अवैध तमचा व एक जिन्दा कारतूस .315 बोर सहित भागते हुए को धर दबोचा। पुलिस टीम द्वारा गुरुवार को समय 01.07 बजे सीख तिराहे से लोरिया पट्टी की तरफ करीब 100 मीटर दूर थाना क्षेत्र मगोरी से अभियुक्त अजय पुर महाराज सिंह निवासी हिंडोना थाना सलेमपुर जिला तरोली राजस्थान उम्र करीब 22 वर्ष को 01 अवैध तमचा व 01 जिन्दा कारतूस .315 बोर सहित गिरफ्तार किया गया। अभियुक्त उपरोक्त की गिरफ्तारी व बरामदगी के आधार पर थाना मगोरी पर मु0अ0स0 328/2026 धारा 3/25 आई एक्ट पंजीकृत कर अभियुक्त के विरुद्ध आवश्यक विधिक कार्यवाही की गई। अभियुक्त के विरुद्ध पूर्व में मु0अ0स0 328/2026 धारा 3/25 आई एक्ट धाना मगोरी जनपद मथुरा में पंजीकृत अपराध है। अभियुक्त उपरोक्त को गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में थानाध्यक्ष अजय कुमार सिंह, उ0नि0 दुष्यंत कोशिक चौकी प्रभारी पाली डूंगरा, का0 विवेक कुमार, का0 प्रशांत थाना मगोरी शामिल थे।

‘हुनर हाट’ का शुभारंभ: दीपावली तक सजेगी हस्तनिर्मित उत्पादों की प्रदर्शनी

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, आगरा।

डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय, आगरा के खंदारी परिसर स्थित इंस्टीट्यूट ऑफ होम साइंस में बुधवार को छात्राओं की रचनात्मक प्रतिभा और उद्यमशीलता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से ह्मन्न हाटह का भव्य शुभारंभ किया गया। विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. आशु रानी ने इस प्रदर्शनी का उद्घाटन करते हुए छात्राओं के हुनर और नवाचार की सराहना की। यह हुनर हाट दीपावली तक लगातार विभाग में सजा रहेगा, जहां आम लोग पहुंचकर हस्तनिर्मित उत्पाद खरीद सकते हैं या अपनी पसंद के अनुसार ऑर्डर पर भी वस्तुएं तैयार कवा सकते हैं।

उत्सव और सजावट के विशेष आकर्षण:



प्रदर्शनी में आगामी त्योहारों को ध्यान में रखते हुए विशेष सामग्रियां प्रदर्शित की गई हैं: * पूजा और श्रृंगार सामग्री: करवा चौथ की पूजा की थालियां, करवे, सजावटी मटकियां, और रेशम के धागों से तैयार रंग-बिरंगी चूड़ियां, कंगन, नेकलेस व झुमरियां शामिल हैं।

* सजावटी सामान: बंधनवार, लटकन, कैडिलस, दिए, वाल हैंगिंग, विंड चाइम, गुलदस्ते, टी-लाइट होल्डर और वेस्ट मटेरियल से बने आकर्षक उत्पाद। * कलात्मक कृतियां: लिप्पन आर्ट, मंडला आर्ट और वारली आर्ट के संयोजन से तैयार विशाल सजावटी मिरर (जिसमें एलईडी

लाइट का भी प्रयोग किया गया है) तथा पाइप क्लीनर से बने उत्पाद मुख्य आकर्षण का केंद्र हैं। **व्यवसाय और आत्मनिर्भरता की अनूठी पहल:** कुलपति प्रो. आशु रानी ने कहा कि ऐसे आयोजन विद्यार्थियों में आत्मविश्वास, रचनात्मक सोच

- कुलपति प्रो. आशु रानी ने किया खंदारी परिसर स्थित इंस्टीट्यूट ऑफ होम साइंस में आयोजन का उद्घाटन, दीपावली तक आगोजन के लिए खुली रहेगी प्रदर्शनी
- करवा चौथ और दीपावली की सजावट, पूजा सामग्री, लिपाज आर्ट और कस्टमाइज्ड उत्पादों के साथ ऑर्डर पर भी वस्तुएं तैयार करने की मिलेगी सुविधा

और आत्मनिर्भरता की भावना विकसित करने के साथ-साथ उनके कौशल को रोजगार के अवसरों में बदलने में मददगार साबित होते हैं। इस कार्यक्रम का आयोजन इंस्टीट्यूट ऑफ होम साइंस के डिपार्टमेंट ऑफ फैमिली रिसोर्स

मैनेजमेंट के अंतर्गत शिक्षिका डॉ. प्रीति यादव एवं डॉ. कविता सिंह के मार्गदर्शन में किया गया है। इसमें बीएससी प्रथम, द्वितीय वर्ष और फूड एंड न्यूट्रिशन की छात्राओं (मुस्कान, प्रियंका, खुशी, आशना, कनक, श्रुति, रनेहा आदि) ने सक्रिय रूप से भाग लिया। इस प्रदर्शनी के माध्यम से विद्यार्थियों को मूल्य निर्धारण, विपणन और ग्राहकों की पसंद के अनुसार उत्पाद तैयार करने का व्यावहारिक अनुभव प्राप्त हो रहा है।

दीपावली तक चलने वाली इस प्रदर्शनी का अवलोकन करने और अपनी पसंद के हस्तनिर्मित उत्पाद खरीदने या ऑर्डर देने के लिए इच्छुक लोग खंदारी परिसर स्थित इंस्टीट्यूट ऑफ होम साइंस विभाग में संपर्क कर सकते हैं।

सीएचसी पर डिलीवरी के दौरान अवैध वसूली व नवजात की मौत में बैठाई जांच कमेटी

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, फतेहाबाद।

सीएचसी पर हो रही अवैध वसूली तथा प्रसव के बाद हुई नवजात की मौत को लेकर मुख्य चिकित्साधिकारी ने बैठाई जांच टीम ने मौके पर पहुंचकर कर्मचारियों के बयान लिए। बुधवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र फतेहाबाद पर थाना फतेहाबाद के गांव टिकैतपुरा खण्डेर निवासी अरुण कुमार अपनी पत्नी को प्रसव पीड़ा होने पर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर आए थे जहां प्रसव के नाम पर तीमारदारों ने अवैध वसूली की गई थी तथा बच्चा देने के नाम पर भी पैसे की डिमांड की गई थी तथा बच्ची की हालत बिगड़ने पर रेफर कर दिया था लेकिन दूसरे अस्पताल में बच्ची को मृत घोषित

कर दिया था जिसको लेकर परिजनों के द्वारा घंटों हंगामा काटा था वहीं पीड़िता के पति के द्वारा पूरे प्रकरण की शिकायत मुख्य चिकित्साधिकारी सहित अन्य से की गई थी जिसमें मुख्य चिकित्साधिकारी आगरा अरुण श्रीवास्तव के द्वारा एसीएमओ डॉक्टर सुरेंद्र मोहन को जांच सौंपी गई है जो गुरुवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर पहुंचे और पूरे प्रकरण की जांच की तथा कर्मचारियों के बयान लिए इसी को लेकर एसीएमओ डॉक्टर सुरेंद्र मोहन से बात करने पर बताया कि सीएमओ आगरा के द्वारा जांच सौंपी गई है जिसमें आज कर्मचारियों के बयान लिए गए हैं तथा पूरे प्रकरण की जांच कर शीघ्र ही मुख्य चिकित्साधिकारी को सौंपी जाएगी।



बैठबाजों की धुन झूमते हुए चल रहे थे। श्रीराम एवं रावण के रोड शो ने लोगों का मन मोह लिया। शोभायात्रा अग्रवाल धर्मशाला से प्रारंभ होकर बारहद्वारी, सराफा बाजार, एटा रोड, सहावर रोड, ददवारा, इन्द्रानगर, शास्त्री नगर, होते हुए कालेज रोड

स्थित रामलीला मैदान में जाकर सम्पन्न हुई। सुरक्षा व्यवस्था के मंहेनजर एसडीएम सहावर हर्षिता देवडा, सीओ सहावर दुर्गेश कुमार मिश्र, कोतवाली प्रभारी निरीक्षक विकास सक्सेना, उपनिरीक्षक जयदीप सिंह, एसआई मनोज शर्मा,

13 स्कूलों में अफसरों का छापा, एमडीएम सैंपल न मिलने पर बीएसए सख्त

स्मार्ट क्लास और भोजन की गुणवत्ता परखी, छात्रों की उपस्थिति बढ़ाने के निर्देश

टीएनएफ टुडे, कासगंज।

जनपद के परिषदीय विद्यालयों में शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने और व्यवस्थाओं को पटरी पर लाने के लिए बृहस्पतिवार को प्रशासन सख्त नजर आया। शासन के निर्देश पर जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी (बीएसए) समेत जनपद स्तरीय अधिकारियों की टीमों ने एक साथ 13 परिषदीय विद्यालयों में औचक छापेमारी की। इस कार्रवाई से विद्यालय परिसरों और शिक्षा विभाग में दिनभर हड़कंप की स्थिति बनी रही। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने कक्षाओं में जाकर पठन-पाठन, छात्र उपस्थिति, कायाकल्प की स्थिति और मध्याह्न भोजन (एमडीएम) की गुणवत्ता को बारीकी से परखा।

जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी ने सौरों विकासखंड के प्राथमिक विद्यालय बहादुर नगर और कंपोजिट विद्यालय शाहपुरमाफी का खुद निरीक्षण किया। बहादुर नगर में बीएसए ने निपुण लक्ष्य ऐप और पाठ्यपुस्तकों के जरिए बच्चों के अधिमम (सीखने के) स्तर का परीक्षण किया। बच्चों से किताबें



पढ़वाई और सवाल-जवाब किए। बच्चों के सही उत्तर देने पर उन्होंने शैक्षणिक स्तर पर संतोष जताया। वहीं, कंपोजिट विद्यालय शाहपुरमाफी में स्मार्ट क्लास में पढ़ रहे बच्चों से बातचीत कर डिजिटल शिक्षा के फायदों की जानकारी ली और उन्हें तकनीक के जरिए मन लगाकर पढ़ने के लिए प्रेरित किया। निरीक्षण के दौरान एमडीएम के तहत बच्चों को दी जा रही रोटी, सब्जी और दाल की गुणवत्ता जांची गई। जब शाहपुरमाफी विद्यालय में पकाए गए भोजन का सैंपल नियमानुसार सुरक्षित नहीं मिला, तो बीएसए ने नाराजगी जताते हुए सख्त निर्देश दिए कि रोज बनने

वाले भोजन का सैंपल अगले 24 घंटे तक अनिवार्य रूप से सुरक्षित रखा जाए।

जांच में दोनों ही प्रमुख विद्यालयों में शिक्षक व स्टाफ तो उपस्थित या स्वीकृत अवकाश पर मिले, लेकिन पंजीकृत छात्रों की तुलना में बच्चों की उपस्थिति कम पाई गई। इस पर बीएसए ने शिक्षकों को निर्देश दिए कि वे अभिभावकों से लगातार संपर्क साधकर बच्चों की नियमित उपस्थिति बढ़ाएं।

इन 13 विद्यालयों में पहुंची जांच टीम अधिकारियों की अलग-अलग टीमों ने कंपोजिट विद्यालय

- एक साथ 13 परिषदीय विद्यालयों में जांच, अधिकारियों की टीमों ने परखी व्यवस्थाएं
- बीएसए ने बच्चों से पूछे सवाल, किताबें पढ़वाकर जांचा शैक्षणिक स्तर
- एमडीएम का सैंपल सुरक्षित नहीं मिला, शाहपुरमाफी में बीएसए ने जताई नाराजगी
- स्मार्ट क्लास में बच्चों से किया संवाद, डिजिटल पढ़ाई के लिए किया प्रेरित

हिम्मतपुर साईं, प्राथमिक विद्यालय जयथरखपुर, भिटौना, कलियानपुर, नगर क्षेत्र सौरों के वार्ड-1 व वार्ड-2, कन्या प्राथमिक विद्यालय वार्ड-1, प्राथमिक व उच्च प्राथमिक विद्यालय नरौली, प्राथमिक व उच्च प्राथमिक विद्यालय झांवर, प्राथमिक विद्यालय बहादुर नगर और कंपोजिट विद्यालय शाहपुरमाफी का निरीक्षण किया। अन्य विद्यालयों में एमडीएम के सैंपल सुरक्षित मिले और व्यवस्थाएं संतोषजनक पाई गईं।

गांव का गंदा पानी खेतों में भरा, किसानों की फसलें बर्बाद जलनिकासी ठप, जुताई और अगली फसल की बुआई पर संकट

टीएनएफ टुडे, सौरों।

कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले गांव गंगागढ़ में प्रशासनिकक्षा और ग्राम पंचायत की उदासीनता के चलते स्थानीय ग्रामीण और अन्नदाता गंभीर समस्याओं से जूझ रहे हैं। गांव की नालियों का गंदा पानी निकासी की उचित व्यवस्था न होने के कारण सीधे किसानों के खेतों में भर रहा है, जिससे फसलें नष्ट हो रही हैं और खेतों में जुताई तक का कार्य ठप पड़ गया है।

पीड़ित किसानों का आरोप है कि इस विकट समस्या को लेकर कई बार स्थानीय अधिकारियों और जिम्मेदार नुमाइंदों से गुहार लगाई जा चुकी है, लेकिन हर बार सिर्फ कोरे आश्वासन ही मिले हैं। धरातल पर समस्या के स्थायी समाधान के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है।

- नालियों का गंदा पानी खेतों में भरने से धान, आलू और सब्जियों की फसल प्रभावित
- जलभराव से ट्रैक्टर के जुताई तक बंद, पशुओं के चारे पर भी संकट
- शिकारतों के बाद भी समाधान नहीं, ग्रामीणों ने आंदोलन की चेतावनी दी

महेन्द्र सिंह: इनके खेत में गंदा पानी भरने के कारण धान की खेती बुरी तरह प्रभावित है और खेत में जलभराव से ट्रैक्टर व अन्य माध्यमों से जुताई होना पूरी तरह असंभव हो गया है। जयपाल सिंह: खेत में लगातार गंदा पानी जमा रहने से समय पर खेत तैयार नहीं हो पा रहा है,

करणी सेना का शस्त्र पूजन, एकजुटता का दिया संदेश

प्रदेश अध्यक्ष संजय सिंह चौहान समेत पदाधिकारियों ने की पूजा-अर्चना



टीएनएफ टुडे, कासगंज।

गुरुवार को विजयदशमी के अवसर पर करणी सेना राष्ट्रवादी, जिला कासगंज के जिला अध्यक्ष क्षत्रिय कुणाल सिंह के नेतृत्व में ग्राम किसरोली में शस्त्र पूजन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में सुनाह अतिथि के रूप में करणी सेना के प्रदेश अध्यक्ष संजय सिंह चौहान शामिल हुए। उनके साथ भाजपा किसान मोर्चा के नेता रंजीत सिंह बैस, भाजपा युवा नेता दुष्यंत सिंह गहरवार और कबीर सिंह सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे।

कार्यक्रम में महिला मोर्चा अध्यक्ष मीना सिंह राठौड़, युवा जिला उपाध्यक्ष अनिता सिंह और हर्ष चौहान, अभय चौहान, अलंकृत चौहान, प्रजलित पुंडीर, अर्पित पुंडीर सहित कई करणी सैनिकों ने सहभागिता की। शस्त्र पूजन के दौरान पारंपरिक विधि से पूजा-अर्चना की गई और समाज

- जिला अध्यक्ष कुणाल सिंह के नेतृत्व में आयोजित हुआ कार्यक्रम
- शस्त्र पूजन के साथ सांस्कृतिक परंपराओं को सहेजने का संकल्प
- समाज के हितों और 36 कौमों की एकजुटता पर दिया जोर

की एकता व सांस्कृतिक परंपराओं को बनाए रखने का संदेश दिया गया। इस दौरान प्रदेश अध्यक्ष संजय सिंह चौहान ने कार्यकर्ताओं के प्रति अपनाने जताते हुए कहा कि वे अपने समाज और 36 कौमों के लिए हमेशा तत्पर रहेंगे। उनके इस आत्मीय व्यवहार से उपस्थित कार्यकर्ताओं में उत्साह और खुशी देखने को मिली। कार्यक्रम में उपस्थित पदाधिकारियों ने समाज के हितों, आपसी भाईचारे और संगठन की मजबूती के लिए मिलकर कार्य करने का संकल्प व्यक्त किया।



जिससे आगामी फसलों की बुआई का संकट खड़ा हो गया है।

सत्यवीर: गंदा पानी सीधे खेतों में घुसने से आलू की तैयार फसल को भारी नुकसान पहुंच रहा है।

सौरभ: इनकी सब्जी की फसल जलभराव की चपेट में आ चुकी

है, जिससे किसानों की महीनों की मेहनत और पूंजी बर्बाद हो रही है।

भारत सिंह: चकोरी (चारे) की फसल में गंदा पानी भरने से पशुओं के चारे का संकट गहराने लगा है।

दुकान बंद कर लौट रहे युवक पर जानलेवा हमला, अमांपुर में हड़कंप गंभीर घायल युवक के मामले में तहरीर का इंतजार कर रही पुलिस

- दुकान से घर लौटते समय रोहित पर हमले का आरोप, हालत गंभीर
- अज्ञात हमलावरों की पहचान में जुटी अमांपुर थाना पुलिस
- सीओ बोले- तहरीर मिलते ही दर्ज होगा मुकदमा, होगी कार्रवाई

टीएनएफ टुडे, अमांपुर।

कस्बे में बुधवार रात एक खौफनाक वारदात सामने आई। दुकान बंद करके अपने घर लौट रहे एक युवक पर अज्ञात हमलावरों ने घात लगाकर जानलेवा हमला कर दिया। इस सनसनीखेज घटना से इलाके में हड़कंप मच गया है और लोगों में दहशत का माहौल है। सूचना मिलने के बाद पुलिस महकमा भी हरकत में आ गया है और मामले की गहराई से छानबीन शुरू कर दी गई है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, अमांपुर निवासी रोहित बीती रात करीब 10 बजे अपनी दुकान बंद कर पैदल ही अपने घर की ओर लौट रहे थे। आरोप है कि रास्ते में पहले से ही घात लगाकर बैठे अज्ञात बदमाशों ने उन पर अचानक हमला बोल दिया। हमले में युवक गंभीर रूप से घायल बताया जा रहा है। हालांकि,



इस वारदात के पीछे की असली वजह और अन्य तथ्यों की अभी आधिकारिक पुष्टि नहीं हो सकी है।

सीओ सहावर बोले- तहरीर मिलने पर होगी सख्त कार्रवाई

घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और हालात का जायजा लिया। इस पूरे मामले पर क्षेत्राधिकारी (सीओ) सहावर दुर्गेश मिश्र ने बताया कि घटना की जानकारी पुलिस को मिल चुकी है। "पीड़ित पक्ष की ओर से थाने में तहरीर मिलने का इंतजार किया जा रहा है। तहरीर मिलते ही नियमानुसार मुकदमा दर्ज कर कठोर

कासगंज में चुनावी तैयारी पूरी, 20 बूथों पर आज मतदान

शिक्षक और स्नातक निर्वाचन के लिए पोलिंग पार्टियां रवाना, सुरक्षा के कड़े इंतजाम

टीएनएफ टुडे, कासगंज।

आगरा खण्ड शिक्षक एवं स्नातक निर्वाचन-2026 को निष्पक्ष, शांतिपूर्ण और सकुशल संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन ने पूरी ताकत झोंक दी है। 23 अक्टूबर को होने वाले मतदान से पूर्व गुरुवार को जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी प्रणय सिंह और एसपी ओम प्रकाश सिंह की मौजूदगी में पोलिंग पार्टियों को पूरी सुरक्षा के बीच उनके गंतव्य के लिए रवाना किया गया।

रवानगी के दौरान जिलाधिकारी प्रणय सिंह ने सख्त लहजे में मतदान कार्मिकों को हिदायत दी कि चुनाव आयोग के दिशा-निर्देशों का अक्षरशः पालन करें। मतदान प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी और निष्पक्ष होनी चाहिए। डीएम ने स्पष्ट किया कि निर्वाचन कार्य में किसी भी स्तर पर जरा सी भी लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

डीएम ने जानकारी दी कि जनपद में कुल 20 मतदेय स्थल (पोलिंग बूथ) बनाए गए हैं। इनमें शिक्षक निर्वाचन के लिए 08 तथा स्नातक



निर्वाचन के लिए 12 बूथ शामिल हैं। निष्पक्ष मतदान कराने के लिए प्रत्येक मतदेय स्थल पर चार मतदान कार्मिकों और छह पुलिस कर्मियों की तैनाती की गई है। सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत करने के लिए महिला पुलिस कर्मियों को भी विशेष रूप से ड्यूटी पर लगाया गया है।

सुरक्षा व्यवस्था और शांतिपूर्ण मतदान के लिए पूरे जिले को 5 जोन तथा 12 सेक्टरों में बांटा गया है। एसडीएम स्तर के अधिकारियों को जोनल मजिस्ट्रेट के रूप में तैनात किया गया है। इसके अलावा, मतदान प्रक्रिया की पल-पल की निगरानी और शिकायतों के त्वरित निस्तारण के लिए जिला स्तर पर एक हाई-टेक कंट्रोल रूम स्थापित

किया गया है। आंकड़ों पर एक नजर: कुल मतदाता शिक्षक निर्वाचन: कुल 1,291 मतदाता (1,008 पुरुष, 283 महिला) कासगंज विस: 611 (456 पुरुष, 155 महिला) अमांपुर विस (सहावर): 218 (179 पुरुष, 39 महिला) पटियाली विस: 462 (373 पुरुष, 89 महिला) स्नातक निर्वाचन: तीनों विधानसभा क्षेत्रों की मिलाकर कुल 9,925 मतदाता (6,888 पुरुष, 3,037 महिला) पटियाली विस: 2,977 (2,177 पुरुष, 800 महिला)

मतदान के दिन शराब की दुकानें रहेंगी बंद, नियम तोड़ने पर होगी कार्रवाई

अधिकारियों ने दुकानों का किया औचक निरीक्षण

- 23 अक्टूबर को मतदान के महेनजर जिले में मदिरा बिक्री पर रहेगी रोक
- अधिकारियों ने स्टॉक रजिस्टर, सीसीटीवी और बोटलों के क्यूआर कोड जांचे
- दुकान खुली मिलाने पर अनुज्ञापियों के खिलाफ होगी सख्त कार्रवाई

टीएनएफ टुडे, कासगंज।

उत्तर प्रदेश विधान परिषद के शिक्षक खंड एवं स्नातक खंड द्विवार्षिक निर्वाचन-2026 को पूरी तरह शांतिपूर्ण, निष्पक्ष और सकुशल संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन ने कमर कस ली है। मतदान के दिन यानी 23 अक्टूबर 2026 को जनपद की सभी मदिरा दुकानें पूर्ण रूप से बंद रहेंगी। इस संबंध में आबकारी विभाग ने कड़े निर्देश जारी करते हुए स्पष्ट किया है कि नियमों का उल्लंघन करने वाले दुकानदारों और अनुज्ञापियों के खिलाफ सख्त वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। निर्वाचन की तैयारियों का जायजा लेने के लिए बुधवार को अपर



जिलाधिकारी (न्यायिक) मंजूर अहमद और जिला आबकारी अधिकारी ने कासगंज जनपद की विभिन्न देशी मदिरा और कंपोजिट दुकानों का औचक निरीक्षण किया। अधिकारियों ने निरीक्षण के दौरान निम्नलिखित बिंदुओं की बारीकी से जांच की: -दुकानों पर रखे स्टॉक रजिस्टर का मिलान किया गया। -सुरक्षा और निगरानी के लिहाज से सीसीटीवी कैमरों की क्रियाशीलता परखी गई। -मदिरा की बोटलों पर लगे क्यूआर कोड (दफ उड्व्ही) की

गहनता से जांच की गई। अधिकारियों ने सभी अनुज्ञापियों और विक्रेताओं को सख्त चेतावनी दी है कि 23 अक्टूबर को मतदान समाप्ति तक मदिरा की दुकानें पूरी तरह बंद रहनी चाहिए। निर्वाचन प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की बाधा या प्रशासनिक आदेशों की अवहेलना को कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। यदि कोई भी दुकान खुली पाई गई या नियमों का उल्लंघन किया गया, तो संबंधित के विरुद्ध बिना किसी हिलाई के कठोर कानूनी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

श्मशान का रास्ता नहीं, खेतों से गुजरती हैं अर्थियां समाधान न होने पर आंदोलन की चेतावनी

टीएनएफ टुडे, कासगंज।

कस्बा बिलराम में वाल्मीकि समाज के लोगों को अंतिम संस्कार के लिए श्मशान तक पहुंचने में वर्षों से परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कई बार शिकायत और अधिकारियों द्वारा पैमाइश किए जाने के बावजूद रास्ते की समस्या का समाधान नहीं हुआ। इससे समाज के लोगों में भारी रोष व्याप्त है।

कस्बे के मोहल्ला कस्सावान सहित वाल्मीकि समाज के अन्य मोहल्लों में रहने वाले लोगों का आरोप है कि श्मशान तक जाने के लिए उचित रास्ता नहीं है और श्मशान स्थल का जीर्णोद्धार भी नहीं कराया गया है। किसी की मृत्यु होने पर परिजनों को खेतों से होकर शव ले जाना पड़ता है। इस दौरान खेत मालिकों से विवाद की स्थिति भी बन जाती है। बीते दिन मोहल्ला कस्सावान निवासी निर्मल पुत्र फूल सिंह की मृत्यु के बाद मंगलवार को अंतिम संस्कार के लिए उनकी अर्था



आलू की बुवाई वाले खेत से होकर ले जानी पड़ी। इससे नाराज लोगों ने प्रासन के खिलाफ नारेबाजी की। समाज के लोगों ने चेतावनी दी कि अगली मृत्यु तक समस्या का समाधान नहीं हुआ तो शव रास्ते में रखकर आंदोलन किया जाएगा। उन्होंने इसकी जिम्मेदारी जिला प्रा-सन की होने की बात कही। इस मौके पर शिशुपाल वाल्मीकि, विजय वाल्मीकि, फूल सिंह वाल्मीकि, श्रीनिवास, राकेश, छोटेलाल, विनोद, रामबाबू, ज्ञानचंद्र सहित सैकड़ों लोग मौजूद रहे।



ये 4 ट्रिक्स अपनाकर हर जगह लोगों को कर सकते हैं कनविस

आजकल सबसे मुश्किल कामों में से एक है दूसरों को कनविस करना, यानी अपनी बात मनवाना। यह भी एक स्किल है। अगर आपमें यह स्किल मौजूद है, तो आप निजी जीवन और करियर में भी सफल रहेंगे। जानें अपनी बात मनवाने के कुछ नुस्खे।

अच्छे तर्क दें

लोगों से अपनी बात मनवाने के लिए आपका तार्किक होना बहुत जरूरी है और तार्किक होने के लिए आपके पास तर्क किए जाने वाले विषय का ज्ञान जरूर होना चाहिए। आपके पॉइंट्स में वजन होना चाहिए। सामने वाले को कभी ऐसा न लगे कि आप खुद को बहुत विद्वान दिखा रहे हैं। नहीं तो उसका ईगो आड़े आ सकता है और वह किसी भी कीमत पर आपकी बात मानना तो दूर, सुनना भी नहीं चाहेगा।

विनम्रता से बोलें

आप जो भी बात करें, उसे बहुत विनम्रता के साथ करें। इससे सामने वाले के अहम को ठेस नहीं लगेगी और वह आपकी बात सुनेगा। कोई भी बात स्पीड में न बोलें, नहीं तो सामने वाले को समझने में दिक्कत आ सकती है और साथ ही वह आपकी बात में रुचि नहीं लेगा, चाहे बात कितनी भी वजनदार क्यों न हो।

बॉडी लैंग्वेज हो सही

आपकी बॉडी लैंग्वेज में अकड़ नहीं दिखना चाहिए। हमेशा अपनी स्वाभाविक स्टाइल में रहें। न कभी झुककर बैठें और न ही झुककर खड़े हों। सीधे बैठने और खड़े रहने से आपका आत्मविश्वास झलकता है, जिससे सामने वाला प्रभावित होता है। बात करते समय आई-कॉन्टैक्ट बनाए रखें। चेहरे पर मंद मुस्कान जरूर बनाए रखें। इससे सामने वाले को सकारात्मक संकेत जाएगा।

बात काटें नहीं

अगर आप चाहते हैं कि सामने वाला आपकी बात सुने, तो वह भी आपके बारे में यही सोच रहा होता है। इसलिए एक-दूसरे की बात को सुनें और सामने वाले की बात पूरी होने पर ही अपनी बात रखें, उसकी बात काटें नहीं।

स्पा मैनेजमेंट में इस तरह बना सकते हैं शानदार करियर

ज्या

दातर लोग कुछ दिन रिलैक्स करने के लिए अलग-अलग पर्यटन स्थलों की शॉर्ट या लॉन्ग ट्रिप प्लान करते हैं। ऐसी जगहों पर स्पा सेंटर्स की खासी मांग होती है, जिसका कारण है यहां मिलने वाली मसाज थेरेपी। अगर आपको लगता है कि यह मसाज हर व्यक्ति की अपनी टेविनक पर आधारित होती है, तो आप गलत हैं। स्पा मैनेजमेंट कोर्स में स्पा से जुड़ी हर सर्विस की जानकारी व ट्रेनिंग दी जाती है। सर्विस सेक्टर से जुड़कर कुछ अलग करने की सोच रहे युवाओं के लिए स्पा मैनेजमेंट बेहतर ऑप्शन है। स्पा मसाज उन विकल्पों में से एक है, जो रिलैक्सेशन और रोजमर्रा के जीवन के तनाव को दूर करने के लिए श्रेष्ठ माने गए हैं। यही कारण है कि कई ट्रैस्टेड डेस्टिनेशंस में स्पा सेंटर्स की मांग बढ़ती जा रही है। लैटेस्ट ट्रेड्स के मुताबिक सर्विस इंडस्ट्री में स्पा मैनेजमेंट बेहतरीन करियर ऑप्शन के तौर पर उभरा है। अगर आपको भी सर्विस इंडस्ट्री में रुचि है, तो आप बन सकते हैं अच्छे स्पा मैनेजर।

क्या है स्पा मैनेजमेंट

जैसा कि नाम से जाहिर है, स्पा मैनेजमेंट में स्पा से जुड़ी हर एक्टिविटी प्लान की जाती है, जिसमें वीकली और मंथली प्लान बनाना, उस पर अमल और मार्केटिंग एक्टिविटीज का मूल्यांकन करना शामिल है। साथ ही स्पा का बजट बनाना व स्टाफ को रिक्रूट करके उन्हें ट्रेन करना भी स्पा मैनेजर के काम में शामिल है।

कैसी स्किल्स चाहिए

बतौर स्पा मैनेजर प्रभावशाली करियर बनाने के लिए आपमें कम्प्यूटर प्रॉफीशियसी, अच्छी कम्युनिकेशन स्किल्स, बेहतरीन ऑर्गेनाइजेशनल स्किल्स, इंटर-पर्सनल स्किल्स और अच्छी लीडरशिप स्किल्स होनी चाहिए। इसके अलावा आपमें गेस्ट्स और स्टाफ

सर्विस सेक्टर से जुड़कर कुछ अलग करने की सोच रहे युवाओं के लिए स्पा मैनेजमेंट बेहतर ऑप्शन है। स्पा मसाज उन विकल्पों में से एक है, जो रिलैक्सेशन और रोजमर्रा के जीवन के तनाव को दूर करने के लिए श्रेष्ठ माने गए हैं। यही कारण है कि कई ट्रैस्टेड डेस्टिनेशंस में स्पा सेंटर्स की मांग बढ़ती जा रही है।



से सकारात्मकता के साथ व्यवहार करने की क्षमता होनी चाहिए। इन स्किल्स से आपको इंडस्ट्री में एक उच्च स्तर तक पहुंचने में मदद तो मिलेगी ही, साथ ही जॉब के लिए सकारात्मक रवैया बनाए रखने और करियर के उतार-चढ़ाव से निपटने में भी मदद मिलेगी।

भविष्य की संभावनाएं

स्पा मैनेजर्स को पार्ट टाइम, फुल टाइम और कॉन्ट्रैक्टुअल बेसिस पर हायर किया जाता है। आप चाहें, तो खुद का स्पा सेंटर भी खोल सकते हैं। वैसे सर्विस इंडस्ट्री के सेगमेंट्स जैसे होटल्स, रिजॉर्ट्स, हेल्थ क्लब्स, वरुज शिप्स, थैराप्यूटिक सलून में आपको अच्छे पे-पैकेज पर जॉब मिल सकती है।

क्या है वर्क प्रोफाइल

बतौर स्पा मैनेजर आपके पास जनरल बुक कीपिंग, सप्लाईज ऑर्डरिंग, इन्वेंटरी मैनेजिंग और पे-रोल फवर्शंस के कोऑर्डिनेशन का काम होगा। इसके अलावा हर एक्टिविटी की प्लानिंग और उस पर अमल का जिम्मा भी आपका ही होगा। आपको स्पा का बजट मैनेज करने से

लेकर वीकली वर्क शेड्यूल बनाने और स्टाफ के प्रोफेशनल डेवलपमेंट के लिए वर्कशॉप्स कराने तक सारे काम करने होंगे। इसके अलावा नए स्पा प्रोडक्ट्स और अपग्रेडेशन का भी ध्यान रखना होगा।

सैलरी कितनी

स्पा मैनेजर्स की सैलरी उनके अनुभव व शिक्षा पर निर्भर होती है। यह भी मान्यते रखता है कि आप स्पा सेंटर को कितना बिजनेस दे रहे हैं। आम तौर पर फ्रैशर्स को 15 से 18 हजार रुपए प्रति माह की सैलरी मिलती है, जो अनुभव के साथ बढ़ती है। वहीं प्रोफेशनल्स 10-15 लाख तक के पैकेज पर काम करते हैं।

प्रमुख संस्थान

- नैजरेथ इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड टेक्नोलॉजी, एजॉल (मिजोरम)
- आनंदा स्पा इंस्टीट्यूट, हैदराबाद
- स्वास्थ्य आयुर्वेद पंचकर्म ट्रीटमेंट एंड ट्रेनिंग सेंटर, कन्नूर
- माधवबाग इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल एजुकेशन एंड रिसर्च, मुंबई
- केरल आयुर्वेद अकेडमी, अलुवा



....बनाना चाहते हैं रुरल मैनेजमेंट में करियर?

देश को आजाद हुए 75 साल से ज्यादा हो गया है, लेकिन आज भी देश की जीडीपी में एग्रीकल्चर की हिस्सेदारी करीब 50 से 55 फीसदी है। वहीं करीब 70 प्रतिशत आबादी अभी भी गांवों में रहती है और आधे वर्कफोर्स के लिए रोजगार का जरिया भी यही है। आजादी के बाद शुरुआती दशकों में ग्रामीण भारत में विकास की रफ्तार कम होने के चलते देश का आर्थिक विकास प्रभावित हुआ, लेकिन अब हालात बदल चुके हैं। पिछले एक दशक में 75 प्रतिशत नई फैक्टियां ग्रामीण क्षेत्रों में खोली गई हैं। वर्ष 2018 के बाद से ग्रामीण क्षेत्रों में जीडीपी विकास की काफी अधिक रही है। हालांकि कोरोना के बाद यह बुरी तरह गिरा है। ग्रामीण क्षेत्रों में पहले एक्सचेंज ने एक रिपोर्ट प्रकाशित की थी, जिसके तहत ग्रामीण भारत जीडीपी में 18 ट्रिलियन डॉलर तक का योगदान दे सकता है। ग्रामीण क्षेत्रों में आर्थिक और सामाजिक विकास की रफ्तार तेज करने के लिए रुरल मैनेजमेंट प्रोफेशनल्स की बेहद जरूरत है। आज भी भारत की दो-तिहाई जनसंख्या गांवों में रहती है और अपग्रेडेशन का भी ध्यान रखना होगा।

समावेशी विकास तभी संभव है, जब विकास की रोशनी गांव-गांव तक पहुंचे। ग्रामीणों के उत्थान के लिए केंद्र सरकार ने रुरल मैनेजमेंट कोर्स शुरू किया है। जिसमें छात्रों को बताया जाता है कि किस प्रकार से ग्रामीण संसाधनों का कुशलतापूर्वक उपयोग करना चाहिए, ताकि हम इनका अधिकतम फायदा उठा सकें। इसका पाठ्यक्रम मुख्यतः ग्रामीण विकास, प्लानिंग, आयोजन, निर्देशन, सहकारी कृषि व्यवसाय, वित्तीय संस्थाओं और संबद्ध क्षेत्रों के नियंत्रण के अध्ययन को समावेशित करता है।

इस क्षेत्र में कोर्सेज

अगर आप रुरल मैनेजमेंट का कोर्स करना चाहते हैं, तो देश के किसी भी संस्थान से डिग्री और डिप्लोमा कोर्सेज कर सकते हैं। इनमें मुख्य कोर्स के तौर पर एमबी इन रुरल मैनेजमेंट, मास्टर ऑफ रुरल मैनेजमेंट, पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा प्रोग्राम इन रुरल डेवलपमेंट मैनेजमेंट और पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन रुरल मार्केटिंग लोकप्रिय हैं। इन कोर्सेज में संबंधित संस्थान द्वारा संचालित प्रवेश परीक्षा, साक्षात्कार व ग्रुप डिस्कशन के आधार पर नामांकन होता है। इन प्रवेश परीक्षाओं में शामिल होने के लिए प्रतियोगी को किसी भी विषय में स्नातक या समकक्ष होना चाहिए। कुछ संस्थान पत्राचार द्वारा भी ये कोर्सेज करवाते हैं। ऐसे मिलेगी कोर्स में सफलता

अगर आप इस क्षेत्र में आगे बढ़ना चाहते हैं तो आपको कई स्किल्स के साथ कुछ ऐसी योग्यताओं की जरूरत पड़ेगी जो आपकी जरूरतें पूरा करेंगी। इसके लिए

मुख्य तौर पर आपमें ग्रामीण क्षेत्रों में काम करने की इच्छा और उत्सुकता के साथ आपको कई स्किल्स बढ़ाने की जरूरत पड़ेगी। जिसमें बातचीत की कला, स्थानीय रीति-रिवाजों के प्रति संवेदनशीलता, विभिन्न प्रकार के लोगों में घुल-मिल जाना आदि। अन्य प्रबंधन कोर्सेज की तरह यहां भी विश्लेषण की क्षमताएं नेतृत्व क्षमताएं, समस्या निष्पादन क्षमता आदि लाभप्रद होती हैं।

जॉब ऑप्शन

इस क्षेत्र में छात्रों के लिए करियर के अनेक अवसर उपलब्ध हैं। ये प्रबंधन के सभी कार्यात्मक क्षेत्रों में काम करते हैं, जैसे सिस्टम, मानव संसाधन, परचेज, मार्केटिंग, फाइनेंस, सामान्य प्रबंधन, प्रोजेक्ट इम्प्लीमेंटेशन आदि। इस क्षेत्र के छात्र सरकारी और गैरसरकारी दोनों ही संस्थाओं में मैनेजर, नीति निर्माता, विश्लेषक, शोधकर्ता, सलाहकार आदि के रूप में कार्य कर सकते हैं। इसके अलावा इनके पास सरकारी क्षेत्र में ग्रामीण विकास की योजनाओं, गरीबी उन्मूलन, स्वास्थ्य सेवा और शिक्षा में काम करने का अवसर होता है। ग्रामीण क्षेत्रों में काम करने वाले बैंक भी इस क्षेत्र के विशेषज्ञों को बतौर प्रबंधक नियुक्त करते हैं।

प्रतिभाशाली युवाओं के लिए अंतरराष्ट्रीय एनजीओ, संयुक्त राष्ट्र संघ और उससे जुड़ी एजेंसियों में भी जाने का मौका होता है। निजी कंपनियों को भी आधुनिक संचार व्यवस्था के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में बाजार की संभावनाएं दिखाई दे रही हैं, जिसके लिए प्रशिक्षितों की जरूरत होती है।

कई स्वयंसेवी संगठन अपने यहां ग्रामीण प्रबंधक के रूप में ऐसे लोगों की नियुक्ति करते हैं, जो गांवों में विकास की योजना को अमलीजामा पहना सकें। योग्य उम्मीदवारों के लिए तालिम, दुग्ध उत्पादन, गन्ना उत्पादनसमितियों आदि क्षेत्रों में रोजगार के अवसर हैं। रुरल मैनेजमेंट में स्नातक के बाद आप सरकारी और निजी संगठनों के साथ रिसर्च, एडवाइजरी और कंसल्टेंसी का कार्य कर सकते हैं। इसके अलावा आप चाहें तो अपना एनजीओ भी खोल सकते हैं।

अनुमानित पैकेज

अगर आप इस फील्ड में एंट्री लेने वाले हैं तो आपको पता होना चाहिए कि इसमें शुरुआती सालाना पैकेज चार से पांच लाख रुपये सालाना होता है। वहीं अगर आपने शीर्ष संस्थानों से कोर्स किया है तो आपको सात से आठ लाख रुपये तक सालाना पैकेज मिल सकता है। इस फील्ड में दो-तीन साल का अनुभव व अच्छे कार्य-प्रदर्शन के बाद आप 10 से 15 लाख रुपये सालाना कमा सकते हैं। वहीं अंतरराष्ट्रीय संगठनों में पैकेज इससे कहीं ज्यादा होता है।



मेडिकल प्रवेश के लिए हर साल लाखों छात्र तैयारी करते हैं और अपनी-अपनी रणनीति तय करते हैं। कुछ टिप्स, जो न केवल मेडिकल प्रवेश परीक्षा की तैयारी में, बल्कि किसी भी अन्य प्रतियोगी परीक्षा में भी महत्वपूर्ण होंगे। यहां यह बताना जरूरी है कि देश के लगभग सभी सफल लोगों की यही रणनीति रही है।



मेडिकल की तैयारी में काम आएंगे ये टिप्स

- सेलेक्टिव स्टडी से बचें। किसी को भी सेलेक्टिव स्टडी के आधार पर कोई सफलता नहीं मिली।
- प्रश्न हल करने में तेजी लाने का अभ्यास करें, ताकि आपके पास अपने प्रश्न हल करने और उन्हें दोहराने का पूरा समय हो। इसके लिए टाइम मैनेजमेंट सबसे

- बढ़िया तरकीब है। तैयारी के लिए कोचिंग सेंटर का चुनाव करते समय उसके पुराने ट्रेक रिकॉर्ड देख लें कि वहां सफलता की दर क्या है। फैकल्टी और अध्ययन सामग्री की जानकारी प्राप्त कर ही वहां दाखिला लें। अपनी शंकाओं की सूची तैयार करें और तत्काल अपने शिक्षक या गाइड से उसका

- समाधान लें। परीक्षा के समय के लिए भी कुछ टिप्स हैं। यदि आपको परीक्षा में ऐसा आभास हो कि कोई प्रश्न मुश्किल है और आपका ज्यादा समय ले रहा है तो उसे छोड़ कर आगे बढ़ जाएं। बाद में समय मिलने पर पुनः उस पर ध्यान दें।

- सबसे पहले अपनी मेडिकल परीक्षा के सिलेबस को अच्छी तरह जान लें और उससे संबंधित अध्ययन सामग्री की लाइब्रेरी तैयार कर लें। उपयुक्त अध्ययन सामग्री के चयन में अपने शिक्षक से सलाह लें।
- तैयारी में अपनी पढ़ाई के घंटे न जोड़ें, बल्कि उन घंटों में अपनी उपलब्धि पर ध्यान दें।
- पिछले पांच वर्षों के प्रश्न-पत्र हल करने का प्रयास करें। आप समझ जायेंगे कि आपको कैसी जरूरत है।



॥ संस्कृति • भक्ति • कला • ब्रज की पहचान ॥

23 अक्टूबर से 2 नवंबर 2026

का
भव्य शुभाशंभ

श्री लक्ष्मी नारायण चौधरी एवं पद्मश्री श्रीमती हेमा मालिनी
मा. मंत्री- गन्ना विकास एवं चीनी मिलें, उ. प्र. मा. सांसद, मथुरा

के कर कमलों द्वारा संपन्न होगा

स्थान : स्वामी श्री हरिदास प्रेक्षागृह, वृन्दावन, मथुरा • 23 अक्टूबर 2026 • सायं 6:00 बजे

गरिमामयी उपस्थिति



श्री विनोद अग्रवाल
मा. महापौर नगर निगम
मथुरा-वृन्दावन, मथुरा



श्री किशन सिंह
मा. जिला पंचायत अध्यक्ष
मथुरा



श्री तेजवीर सिंह
मा. राज्यसभा सांसद



श्री श्रीकान्त शर्मा
मा. विधायक, मथुरा-वृन्दावन



श्री पूरन प्रकाश
मा. विधायक, बलदेव



श्री मोहनसिंग
मा. विधायक, गोवर्धन



श्री राजेश चौधरी
मा. विधायक, माँट



श्री ओमप्रकाश सिंह
मा. एमएलसी



श्री योगेश नौहवार
मा. एमएलसी

इस अवसर पर आप सादर आमंत्रित हैं।

प्रमुख सांस्कृतिक आकर्षण

पद्मश्री श्रीमती हेमा मालिनी
द्वारा अभिनीत भव्य नृत्य नाटिका
गंगा
का प्रस्तुतीकरण
23-10-2026 • सायं 6:00 बजे



26 अक्टूबर 2026, सायं 6 बजे



27 अक्टूबर 2026, सायं 6 बजे

स्वामी श्री हरिदास प्रेक्षागृह, वृन्दावन, मथुरा



एक अलौकिक और विराट नाट्य दृश्यावली

मेरे कृष्ण

श्री कृष्ण की भूमिका में

सौरभ राज जैन

25-10-2026 • सायं 6:00 बजे

SHRI DIVINE

SHRI VRINDA

अत्य आकर्षण

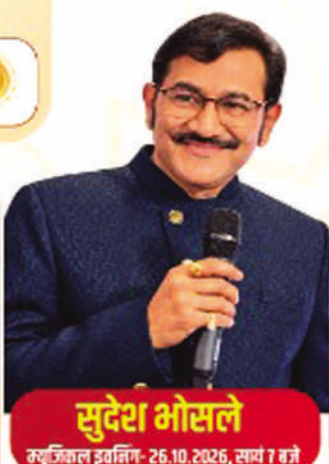
शिल्प मेला, स्वादिष्ट व्यंजन-फूडकोर्ट,
लोक नृत्य, प्रदर्शनी, झूले एवं राइड्स,
लोक रीति रिवाज प्रदर्शनी,
विभिन्न प्रतियोगितायें एवं प्रदर्शनियां।



श्री अंजलि कुलकर्णी
24.10.2026, सायं 6 बजे



श्री अनिल सिंघा
24.10.2026, सायं 7 बजे



सुदेश भोसले

उत्कृष्टतम प्रदर्शन- 26.10.2026, सायं 7 बजे



लखवीर सिंह लखवा

भजन संध्या- 29.10.2026, सायं 7 बजे



रविवंदर सिंह (प्राची व संध्या)

भजन संध्या- 02.11.2026, सायं 7 बजे



पद्मश्री रामदयाल (नौटंकी)

31.10.2026, सायं 7 बजे



ललित वैष्णव (ब्रजस भजन केंद्र)
25.10.2026, सायं 7 बजे



रुद्रस नादात्म वैष्णव (भजन केंद्र)
27.10.2026, सायं 7 बजे



इशिता विश्वकर्मा (सुर संध्या)

28.10.2026, सायं 7 बजे



अनिल चर्चित-अरुण वैष्णव (सुविजय केंद्र)

30.10.2026, सायं 7 बजे



मधुरम डियोदवाल वैष्णव (भजन केंद्र)

01.11.2026, सायं 7 बजे



गीतांजलि शर्मा (ब्रजस संध्या)

01.11.2026, सायं 6 बजे

रेलवे ग्राउंड, धौली प्याऊ, मथुरा

प्रवेश निःशुल्क

आयोजक : उ. प्र. ब्रज तीर्थ विकास परिषद, उ. प्र. पर्यटन विभाग एवं जिला प्रशासन, मथुरा